गैरसैंण, सोमवार
9 नवम्बर 2024
वर्षः 16
अंकः 205 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया शीतकालीन चारधाम यात्रा का शुभारंभ

देहरादून,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना के साथ ही शीतकालीन चारधाम यात्रा शुरू करने की घोषणा कर दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दो दिवसीय दौरे पर रुद्रप्रयाग पहुंचे। रविवार को अपने दौरे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड को बड़ी सौगात देते हुए 12 महीने चलने वाली चारधाम यात्रा शुरू कराने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने रविवार को विधिवत केदार बाबा के शीतकालीन गद्दीस्थल ऊखीमठ से चारधाम यात्रा का ऐलान कर दिया है। उत्तराखंड में लंबे समय से चारधाम शीतकालीन यात्रा को लेकर आवाजें उठती रही हैं। शीतकालीन चारधाम यात्रा शुरू होने से उत्तराखंड में साल भर देश–विदेश से यात्री दर्शन के लिए आएंगे। इससे वहां के स्थानीय लोगों की आर्थिकी को भी लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा, कोई भी यात्रा तभी सफल होती है, जब हमारे प्रयासों से उसका मार्ग सुगम हो और समय के साथ उसका आयोजन निरंतर चलता रहे। इसी तरह, अब 12 महीने तक हमारी यात्रा निरंतर चले, और हर महीने लोग यहां आते रहें, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। हम सभी को इसके लिए आवश्यक निर्देश भी दे रहे हैं, और एक तरह से इसकी शुरुआत हो चुकी है। हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वे इस यात्रा को अनवरत जारी रखने का आशीर्वाद हमें दें। उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में यह यात्रा निश्चित रूप से एक गेम चेंजर साबित होगी। साथ ही, हमारे अन्य धार्मिक स्थल जैसे कि गरीबीनारायण, कार्तिक स्वामी, और चारधाम आदि को भी हम एक मास्टर प्लान के तहत विकसित करेंगे। इन स्थानों के साथ–साथ पुरानी काशी, महाराज जी, देवरिया ताल जैसे अन्य स्थलों को भी हम विकास के तहत आगे बढ़ाएंगे।

छत्तीसगढ़ के यात्री ने की खुदकुशी

हरिद्वार। श्रवणनाथ नगर क्षेत्र के एक होटल में छत्तीसगढ़ के यात्री ने जहरीले पदार्थ सेवन कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की वजह साफ नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने जानकारी देकर बताया कि रविवार दोपहर शिवमूर्ति चौक के निकट चित्रा रेजीडेंसी में ठहरे एक यात्री के सुबह से कमरे से बाहर नहीं निकलने की सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने कई दफा दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। बताया कि वीडियो ग्राफी करते हुए कमरा खुलवाया गया तो यात्री का शव बेड पर पड़ा हुआ था। यात्री के मुंह से झाग निकल रहा था। प्रथम दृष्टया सामने आया कि यात्री ने जहर खाकर आत्महत्या की है। मृतक की पहचान शेर सिंह नेम पुत्र केसरी नेम, निवासी मकान नंबर 143 कपिल पर, पोस्ट ऑफिस परसोदा, ग्राम पंचायत परसोदा, छत्तीसगढ़ के रूप में हुई। बताया कि यात्री शनिवार को यहां आकर ठहरा था। उसके परिजन से संपर्क करने का प्रयास कर रहे है, उसके बाद ही आत्महत्या की वजह सामने आ सकेगी।

मातृसदन के ब्रह्मचारी दयानंद का अनशन जारी

हरिद्वार। गंगा से खनिज सामग्री उठाने के विरोध में मातृ सदन के ब्रह्मचारी दयानंद का अमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। अनशन में वह केवल जल ग्रहण करेंगे। चंडी घाट पुल के नीचे गंगा से खनिज सामग्री उठाने का मातृ सदन विरोध कर रहा है। मातृसदन का कहना है कि यह अवैध खनन है और उच्च न्यायालय के आदेशों की अवमानना है। रविवार दोपहर को प्रेस वार्ता करते हुए मातृसदन के संस्थापक स्वामी शिवानंद सरस्वती महाराज ने बताया कि गंगा रक्षा और संरक्षण के लिए किया जा रहा ब्रह्मचारी का तप रविवार को जारी रहा। बताया कि बैरागी कैम्प में गंगा के रिवर बैंड में ड्रेजिंग के नाम पर खनन कार्य जारी था और वहां पोकलैंड मशीनों के साथ साथ कम से कम 9 डंपर खड़े थे, जो कि अवैध है। उन्होंने मांग उठाई कि सभी संबंधित अधिकारियों और मंत्रियों की संपत्ति की जांच की जाए, जो इस अवैध गतिविधि में संलिप्त हैं।

किसानों का दिल्ली मार्चः शंभू सीमा पर पुलिस से बहस

दागे गए आंसू गैस के गोले

नईदिल्ली,किसानों का दिल्ली मार्च आज फिर शुरू हो गया है। पंजाब के 101 किसान पैदल ही दिल्ली की ओर रवाना हो रहे हैं, जिन्हें शंभू बॉर्डर पर पुलिस ने रोक लिया है।यहां पुलिस और किसानों के बीच बहस हो रही है। इस बीच पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे हैं।पुलिस को किसान नेताओं ने दिल्ली जाने वाले किसानों की सूची सौंपी है। पुलिस का कहना है कि इन किसानों के सूची में नाम नहीं है। किसानों का कहना है कि उन्होंने दिल्ली कूच करने वाले 101 किसानों की सूची पुलिस को दी है।वहीं, हरियाणा की पुलिस का कहना है कि पहले इन लोगों की पहचान की जाएगी, उसके बाद दिल्ली जाने दिया जाएगा।पुलिस ने कहा कि उनके पास जो सूची आई है, ये वो किसान नहीं हैं। पहचान नहीं हो पा रही है, इस वजह से पुलिस ने रोक लिया है।इस बीच किसानों ने कहा कि पुलिस के पास गलत सूची है। हरियाणा पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए करीब 1,000 जवान और 3 वज्र वाहन तैनात किए हैं।भारी बैरिकेडिंग के साथ सड़कों पर लोहे की कीलें भी लगाई गई हैं। अंबाला के 11 गांवों में मोबाइल इंटरनेट बंद किया गया है।वहीं, किसानों ने अपनी तरफ से 10 एंबुलेंस तैयार रखी हैं।आंसू गैस के गोलों से निपटने के लिए पानी के टैंकर और बोरियों का इंतजाम किया गया है। किसानों को चश्मे, मास्क और नमक भी दिया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, आमरण अनशन को 13 दिन हो गए हैं। हमारा कार्यक्रम शांतिपूर्ण चल रहा है। सरकार हमें न दिल्ली जाने दे रही है और न ही हमारी समस्याओं का हल कर रही है। भगवान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सद्बुद्धि दें और हमारे मसलों को हल करें। सरकार को ऐसा लगता है कि हमारे खिलाफ प्रोपेगेंडा चलाकर सफल हो जाएंगे। सरकार को टकराव की नीति छोड़कर मसलों को हल करना चाहिए। 6 दिसंबर को भी किसानों ने शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच शुरू किया था। तब भी शंभू बॉर्डर पर किसानों और पुलिस के बीच विवाद हुआ था।किसानों ने बैरिकेडिंग और नुकीले तार उखाड़ दिए थे। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे थे, जिनमें 7 किसान घायल हो गए थे।झड़प बढ़ने के बाद किसान नेताओं ने मार्च स्थगित कर किसानों को वापस आंदोलन स्थल बुला लिया था। किसान सभी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं।स्वामीनाथन आयोग के हिसाब से फसलों की कीमत तय हो। कर्ज माफी हो, किसानों को पेंशन मिले और खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

सीएम धामी ने किया कृषि, औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को विकास खंड अगस्त्यमुनि के स्यालसौड़ में आयोजित कृषि, औद्योगिक एवं पर्यटन विकास मेले में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 47.43 करोड़ की 18 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास एवं 1.23 करोड़ की विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि चोपता के चांदधार एवं गैंठाणा बांगर में मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य किया जाएगा। स्वांरीगंवास से कार्तिक स्वामी तक 8 किमी मोटर मार्ग का निर्माण किया जाएगा। अंधेरगढ़ी–तलसारी मोटर मार्ग के जैचोंरा से ऐटा पवननगर, थापली व कमसाल मोटर मार्ग के द्वितीय चरण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की जाएगी। कार्तिक स्वामी के कनकचौरी में कार पार्किंग का निर्माण कार्य किया जाएगा। एवं चिनग्वाड़ मोटर मार्ग से पाबौ धनपुर मोटर मार्ग तक मिसिंग लिंक का निर्माण कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उपस्थित जनसमुदाय का अभिनंदन करते हुए कहा कि विधान सभा केदारनाथ की जनता ने जिस तरह अपार समर्थन देकर आशा नौटियाल को विधानसभा में बतौर सदस्य निर्वाचित करने का कार्य किया है उसी तरह राज्य सरकार द्वारा भी इस क्षेत्र के विकास के कार्यों को गति देने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा उनकी सरकार चारधाम यात्रा को अनवरत चलाने का प्रयास कर रही है। चारधाम यात्रा को शीतकाल में भी चलाने हेतु आज ओंकारेश्वर मंदिर में इसकी अधिकारिक रूप से घोषणा की। इससे जहां एक ओर देश–विदेश से पहुंचने वाले पर्यटक यहां की अलौकिक प्रकृति का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे वहीं दूसरी ओर यहां के व्यवसायियों के वर्षभर रोजगार की संभावना को भी बल मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत हैं। एक ओर प्रदेश के 8 लाख कृषक किसान सम्मान निधि से लाभान्वित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर किसानों को बिना ब्याज के 3 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

उद्यानीकरण को विकसित करने हेतु 200 करोड़ का विशेष प्राविधान इस बार के बजट में किया गया है। सरकार प्रदेश में उद्योग व पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री जी के निर्देशन में राज्य में बड़े निवेशकों के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अनुबंध किए गए हैं। जिसका आने वाले समय में स्थानीय युवाओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने पारंपरिक परंपरा, विरासत व विकास के लिए मेलों के आयोजन को महत्वपूर्ण बताया। रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने कहा कि जिस तरह देश को प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी जैसा युगपुरुष मिला है।

भारतीय वायुसेना की फ्यूचर वारफेयर तैयारी, कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में बनी भविष्य की रणनीति

नईदिल्ली,। भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान ने राजधानी दिल्ली में दो दिवसीय कमांडर्स कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया.

इस सम्मेलन की अध्यक्षता वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने की. इस वर्ष इस कार्यक्रम की थीम भारतीय वायुसेना– सशक्त, सक्षम, आत्मनिर्भर" पर केंद्रित थी. इस सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने भी शिरकत की. इस दौरान उन्होंने कमांडरों के साथ बातचीत की. जिसमें उन्होंने भविष्य के बहु–डोमेन युद्ध की चुनौतियों का सामना करने के लिए उनकी तैयारी पर जोर दिया.

इसके साथ ही वायु सेना प्रमुख ने प्रशिक्षण, योजना, सुरक्षा और नए उपकरणों के शीघ्र संचालन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया. इसके साथ ही उन्होंने नेतृत्व विकास के महत्व को रेखांकित किया, जिससे भारतीय वायुसेना एक सशक्त और आधुनिक बल के रूप में दुनिया के सामने उभर कर आए.

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने अपने संबोधन में वायुसेना के मूल्यों– मिशन, इंटीग्रिटी और एक्सीलेंस को बनाए रखने की सराहना की. इसके साथ ही उन्होंने डब्ल्यूएसी की आपदा राहत अभियानों में तत्परता और उच्च परिचालन क्षमता की सराहना करते हुए इसे एक हमेशा तैयार लड़ाकू बल करार दिया. सीएएस ने आधुनिक उपकरणों के त्वरित परिचालन और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों पर भी जोर दिया.

यह सम्मेलन भारतीय वायुसेना की दीर्घकालिक रणनीति और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. प्रशिक्षण और उपकरणों में सुधार के साथ–साथ नेतृत्व विकास की प्रक्रिया, वायुसेना को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक सक्षम बनाएगी.

बता दें कि भारतीय वायु सेना का आदर्श वाक्य 'शान से आकाश को छूना' है. जिसे गीता के ग्यारहवें अध्याय से लिया गया है जो महाभारत के युद्ध के दौरान कुरुक्षेत्र के मैदान पर भगवान कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया प्रवचन है. भारतीय वायु सेना में एक योद्धा के तौर पर आपके ऊपर संविधान को कायम रखने और भारत की स्वतंत्रता की रक्षा करने की जिम्मेदारी होती है. जो बहुत बड़ी है, लेकिन यह केवल काम से संबंधित नहीं है.

उधमपुर में रहस्यमयी परिस्थितियों में दो पुलिसकर्मियों की मौत

श्रीनगर,जम्मू–कश्मीर के उधमपुर में रविवार को रहस्यमयी परिस्थितियों में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि दोनों पुलिसकर्मियों की मौत कथित तौर पर आपसी झगड़े और आत्महत्या के चलते हुई. इस घटना में एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ है. घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी. जानकारी के मुताबिक हादसा रहमबल इलाके में हुआ. इस वारदात को लेकर उधमपुर के एसएसपी आमोद नागपुरे ने बताया कि, घटना रविवार सुबह 6.30 बजे हुई. वे सोपोर से तलवारा स्थित प्रशिक्षण केंद्र की ओर जा रहे थे. पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं. शुरुआती जांच के अनुसार, इस घटना में एके–47 राइफल का इस्तेमाल किया गया था. इस घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हुई है जबकि तीसरा पुलिसकर्मी सुरक्षित है. अभी तक मारे गए पुलिसकर्मियों के नाम के बारे में कोई जानकारी सामने नही आई है. हालांकि, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. बताया जा रहा है कि दोनों पुलिस वालों के शव पुलिस वैन से बरामद किए गए हैं. जम्मू–कश्मीर पुलिस विभाग ने इस घटना को बेहद गंभीरता से लिया है और इससे जुड़े हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है. उधमपुर के एसएसपी आमोद नागपुरे ने बताया कि वारदार में एके–47 राइफल का इस्तेमाल किया गया. इस घटना में दो पुलिसकर्मियों की मौत हुई है. जबकि तीसरा पुलिसकर्मी सुरक्षित है.

खनन पर प्रशासन के पक्ष में आए महामंडलेश्वर

हरिद्वार। गंगा की मुख्य धारा में रिवर ड्रेजिंग को लेकर मचे बवाल के बाद संत समाज भी आगे आने लगा है। एक तरफ जहां मातृ सदन के संत रिवर ड्रेजिंग के खिलाफ अनशन पर बैठ गए हैं, वहीं दूसरी तरफ संत समाज ने रिवर ड्रेजिंग को सही ठहराते हुए गंगा की सफाई होना बेहद आवश्यक बताया है। खनन को लेकर रविवार को हरिद्वार में रार हुई। प्रशासन के पक्ष में आए महामंडलेश्वर ने ड्रेजिंग का समर्थन भी किया, साथ ही अन्य नदियों में ड्रेजिंग कराने की मांग की है। निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी महाराज ने गंगा सहित सभी नदियों में नियमित सफाई (ड्रेजिंग) कार्य का समर्थन किया। उन्होंने गंगा से सिल्ट हटाए जाने को खनन करार दिए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। मीडिया से बातचीत में महामंडलेश्वर ललितानंद गिरी ने कहा कि बीते कई सालों से हरिद्वार से बहने वाली गंगा में ड्रेजिंग नहीं हो पाने के कारण उसके तटों के साथ ही आस पास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो रही है। इस कारण अब गंगा की समुचित गहराई बरकरार रखने के लिए सिल्ट हटाने काम किया जा रहा है। उन्होंने विशेषकर गंगा किनारे रहने वाले आमजन के लिए गंगा की सफाई होना नितांत आवश्यक है। महामंडलेश्वर बोले, यदि गंगा सफाई के नाम पर अवैध खनन होता है तो सिस्टम उस पर नकेल कसे। गंगा की सफाई उतनी ही जरूरी है जितना मानव जीवन है, क्योंकि सफाई न होने से गंगा रौद्र रूप लेकर कहर बरपा सकती है। महामंडलेश्वर ने कहा कि गंगा सफाई के नाम पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

अगले 2 से 3 वर्षों में देश में तेजी से घटेगी लॉजिस्टिक्स की लागत : नितिन गडकरी

नई दिल्ली, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कहा कि सरकार का लक्ष्य अगले दो–तीन वर्षों में देश में लॉजिस्टिक्स लागत को एकल अंक तक लाना है, जो फिलहाल दोहरे अंक में है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, भारत में मौजूदा समय में लॉजिस्टिक्स लागत 14 से 16 प्रतिशत के बीच है। यह अगले दो से तीन वर्षों में घटकर 9 प्रतिशत हो जाएगी। इससे भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता में काफी सुधार होगा। सरकार ने लॉजिस्टिक्स सेक्टर की समास्याओं को दूर करने के लिए कई रणनीतिक नीतियां शुरू की हैं, जिसमें प्रधानमंत्री गति शक्ति–राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) शामिल हैं। मुंबई में हुए एक इवेंट में केंद्रीय मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हमें हाइड्रोजन को एक भविष्य के ईंधन के तौर पर देखने की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने हाइड्रोजन और सीएनजी के उत्पादन के लिए बायोमास और बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी की क्षमता के बारे में लोगों को अवगत कराया।

महाकुंभ को लेकर रेलवे व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे अश्विनी वैष्णव

वाराणसी,केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रविवार को वाराणसी दौरे पर पहुंचे। वह महाकुंभ को लेकर रेलवे की तैयारी का जायजा लेने आए। अयोध्या और प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रिंग रेल की व्यवस्था की गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को पत्रकारों से कहा कि पवित्र महाकुंभ हमारी संस्कृति की बहुत बड़ी धरोहर है। हमारी संस्कृति का बहुत बड़ा महापर्व है। महाकुंभ को देखते हुए रेलवे की तरफ से विस्तृत तैयारी की गई है, उस तैयारी का आज जायजा लेंगे। पिछले तीन साल से तैयारी चल रही है। कई नए ब्रिज वेटिंग एरिया, डबलिंग के काम, स्टेशन का सुसज्जित करण स्टेशन के सारे काम कंप्लीट हो गए हैं।

मंत्री ने कहा कि इस बार चार बड़े स्नान वाले दिन हैं। चारों दिन बड़ी संख्या में देशभर से भक्त आएंगे। उनके लिए एक बढ़िया व्यवस्था की गई है। इस बार अयोध्या से और प्रयागराज से एक रिंग रेल की व्यवस्था की गई है। चार रिंग रेल की व्यवस्था की गई है। बहुत बड़े–बड़े होल्डिंग एरिया बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कुंभ के 45 दिन में 13,000 सर्विसेज कुल चलेंगी। ज्ञात हो कि महाकुंभ को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार सक्रिय मोड में है।

जम्मू–कश्मीर में भारी बर्फबारी से मैदानी इलाकों में कांपने लगे लोग

11 राज्यों में कोहरे का अलर्ट

श्रीनगर,जम्मू–कश्मीर में भारी बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में भी ठिठुरन बढ़ गई है. जिसके चलते अब दिल्ली–एनसीआर समेत आसपास के इलाकों में भी लोग ठंड से कांपने लगे हैं. जम्मू–कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में तापमान शून्य से नीचे चला गया है. ऊंचे पहाड़ों पर झरने जम गए हैं और मैदानी इलाकों में भी लोगों कांपने लगे हैं.

उधर राजस्थान के रेगिस्तान में भी पारा पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है. इसी के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिनों तक पंजाब, हरियाणा समेत देश के 11 राज्यों में घना कोहरा छाए रहने का अलर्ट जारी किया है. कोहरे का ये असर देर रात और सुबह तक देखने को मिल सकता है.

इसी के साथ भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में बारिश की संभावना जताई है. मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में ताजा पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के कई इलाकों में हल्की बारिश देखने को मिल सकती है. इसके साथ ही ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी होने की भी संभावना है. इस बीच कश्मीर घाटी में गुलमर्ग समेत कई जगहों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया. शनिवार को श्रीनगर में तापमान माइनस 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. जबकि यहां एक दिन पहले यानी शुक्रवार को पारा 4.1 डिग्री दर्ज किया गया था. आईएमडी के मुताबिक, बर्फबारी के बाद तापमान में और गिरावट आएगी और ठिठुरन बढ़ जाएगी. मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू–कश्मीर के गुलमर्ग में तापमान माइनस 3.6 डिग्री सेल्सियस जबकि पहलगाम में पारा 4.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इसी के साथ आईएमडी ने पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, झारखंड, सिक्किम और हिमालयी पश्चिम बंगाल में रविवार और सोमवार देर रात से लेकर सुबह तक घना कोहरा छाए रहने का अलर्ट जारी किया है.

वक्फ मुद्दे पर मुसलमानों के साथ खड़े हों, विपक्ष के ईसाई सांसदों की हुई बैठक

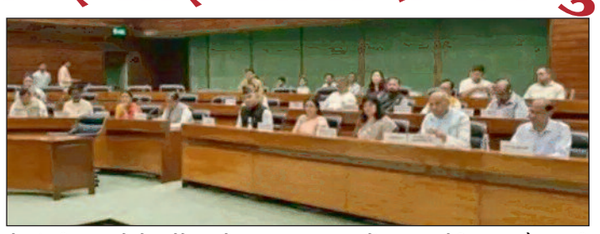

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड के मामले पर देश के ईसाई सांसदों ने मुस्लिमों का समर्थन करने का फैसला किया है। ईसाई सांसदों ने कैथोलिक बिशप्स कान्फ्रेंस आफ इंडिया (सीबीसीआई) की बैठक में कहा कि ईसाई समुदाय को वक्फ विधेयक पर सैद्धांतिक रूप से अपना रुख अपनाना चाहिए,क्योंकि यह संविधान में निहित अल्पसंख्यकों के अधिकारों को प्रभावित करता है।भारत में कैथोलिकों की सर्वोच्च संस्था सीबीसीआई ने तीन दिसंबर को सभी ईसाई सांसदों की बैठक बुलाई थी। इस बैठक में करीब 20 सांसदों ने हिस्सा लिया, जिनमें से ज्यादातर विपक्षी दलों के थे। बैठक में शामिल सांसदों में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओ ब्रायन, कांग्रेस के सांसद हिबी ईडन, डीन कुरियाकोस, एंटो एंटनी और माकपा के सांसद जान ब्रिटास शामिल थे, जबकि बाद में केंद्रीय राज्य मंत्री जार्ज कुरियन भी बैठक में शामिल हुए।

क्या था बैठक का एजेंडा?

दशकों बाद आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता सीबीसीआई के अध्यक्ष आर्कबिशप एंड्रयूज ने की। बैठक के एजेंडे में समुदाय और उसके अधिकारों का समर्थन और सुरक्षा करने में ईसाई सांसदों की भूमिका, अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से ईसाइयों के खिलाफ बढ़ते हमले और धमकियां, और ईसाई संस्थानों को निशाना बनाने के लिए एफसीआरए का दुरुपयोग शामिल था।

'चार में से तीन छात्र अलग समुदायों से हों'

सूत्र ने कहा कि एक वरिष्ठ विपक्षी सांसद ने सुझाव दिया कि समुदाय के नेतृत्व को सकारात्मक बिंदुओं, आज समुदाय द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करना चाहिए और केवल नकारात्मक समाचारों पर प्रतिक्रियात्मक नहीं होना चाहिए। एक सुझाव यह दिया गया कि सरकार और जनता को यह बताया जाए कि ईसाई संस्थानों में चार में से तीन छात्र वास्तव में अलग–अलग समुदायों से हैं।

कांग्रेस पार्टी इंडी अलायंस में एक मीम बन चुकी है : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली,भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने इंडिया ब्लॉक में तकरार की खबरों के बीच कहा कि कांग्रेस हारी हुई पार्टी बन गई है जिसे बर्दाश्त करने के मूड में उसके साथी भी नहीं हैं। पूनावाला ने कहा, सुबह ममता बनर्जी कहती हैं कि टीएमसी और मुझे इंडी एलायंस का नेता बनाओ, क्योंकि कांग्रेस से यह काम नहीं हो रहा है। दोपहर तक महाविकास अघाड़ी और उद्धव सेना के रुख के कारण, अबू आजमी बाहर निकल जाते हैं, और अबू आजमी कहते हैं कि समाजवादी पार्टी कांग्रेस से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग कर रही है। उन्होंने आगे कहा, फिर, हम देखते हैं कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव कहते हैं, राहुल गांधी हमारे नेता नहीं हैं। इंडी अलायंस के नेता नहीं है। कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है और वह अभी भी चुनाव हारी है इसलिए हम लोग सरकार नहीं बना पाए हैं। कोई यह मांग करता है कि इंडी अलायंस का किसी को नेता बनाया जाए तो हम उस मांग का स्वागत करते हैं।

40 साल बाद अमेरिकी संसद में उठा भोपाल गैस त्रासदी का मामला

नई दिल्ली। आज से 40 साल पहले 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात न केवल भोपाल बल्कि देश के इतिहास की सबसे भयावह रात है। इसी रात को भोपाल में गैस त्रासदी हुई थी। 2 दिसंबर की रात भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड पेस्टिसाइड प्लांट से जहरीली गैस मिथाइल आइसो साइनाइट का रिसाव शुरू हुआ। देखते ही देखते त्रासदी में 3787 लोगों की जान चली गई। मगर यह सरकारी आंकड़ा था। सुप्रीम कोर्ट में पेश रिपोर्ट के मुताबिक भोपाल त्रासदी में 15,724 से ज्यादा लोगों की जान गई है।

राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस मनाने का प्रस्ताव

भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल पूरे होने पर अमेरिकी संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया है। इसके तहत 3 दिसंबर को अमेरिका में राष्ट्रीय रासायनिक आपदा जागरूकता दिवस के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव को मर्कले, रॉन वाइडन और पीटर वेल्च ने पेश किया। अब इसे न्यायपालिका संबंधी समिति को भेजा गया है। प्रस्ताव में डॉव इंक और यूनियन कार्बाइड को जिम्मेदार माना गया है। पीड़ितों को मुआवजा देने की मांग भी की गई है।

प्रस्ताव में क्या है

प्रस्ताव में कहा गया कि भारत के भोपाल शहर में 3 दिसंबर 1984 को यूनियन कार्बाइड की एक कीटनाशक फैक्ट्री से जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट गैस का रिसाव हुआ थी। इस हादसे के 72 घंटों के भीतर ही 8,000 लोगों की जान चली गई थी और 500,000 से अधिक लोग घायल हुए थे।

सम्पादकीय

दवा क्षेत्र में बड़ी सफलता

मेडिकल के क्षेत्र की बात करें तो आज भी हिंदुस्तान विदेशी देश की तकनीक की अपेक्षा काफी पीछे है। लाइफ सेविंग औषधी हो या फिर उच्च तकनीक की सर्जरी, कहीं ना कहीं अच्छे इलाज के लिए आज भी विदेशी अस्पतालों को एक सुरक्षित स्थान माना जाता है। भारत में भी विदेशी अस्पतालों की कई शाखाएं अपना काम कर रही है लेकिन इधर हिंदुस्तान के वैज्ञानिक भी नई दावों के अविष्कार में अपनी महारत हासिल कर रहे हैं। औषधि के आविष्कार के क्षेत्र में भारत ने एक बड़ी सफलता अर्जित की है जिसमें एक ऐसी एंटीबायोटिक बनाई गई है जिसने पूरे विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञों को चौंका कर रख दिया है।14 साल की मेहनत और 500 करोड रुपए खर्च करने के बाद जो उपलब्धि भारत ने हासिल की है वह मानव जीवन के लिए भविष्य में काफी लाभप्रद साबित होने वाली है। इस नई एंटीबायोटिक दवाई का नाम है नैफिथ्रोमाइसिन। इस दवाई का क्लीनिक ट्रायल समाप्त हो चुका है और अब यह दवा इंसानों के उपयोग के लिए जल्द बाजार में आने को तैयार है। नैफिथ्रोमाइसिन के क्लिनिकल ट्रायल भारत, अमेरिका यूरोप में किए गए, जिनमें इस दवा को एजिथ्रोमाइसिन से 10 गुना अधिक प्रभावी पाया गया. इसके 96.7 फीसदी तक के क्लिनिकल क्योर, रेट न्यूनतम साइड इफेक्ट्स भोजन के साथ या बिना लेने की सुविधा इसकी विशेषता है। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह दवा एक दूसरी एंटीबायोटिक अजिथ्रोमाइसीन की अपेक्षा कई गुना असरदायक है। नैफिथ्रोमाइसिन एक अर्ध–सिंथेटिक मैक्रोलाइड एंटीबायोटिक है, जो दवा–प्रतिरोधी बैक्टीरिया से लड़ने के लिए विकसित किया गया है। ये खासतौर पर वयस्कों में कम्युनिटी–अक्वायर्ड बैक्टीरियल निमोनिया के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इसकी यहां वैज्ञानिकों ने एक और जो बड़ी खूबी इस दवाई के आविष्कार में निकली है वह यह है कि अन्य एंटीबायोटिक की तरह इस रोज नहीं लेना होगा बल्कि इसे केवल तीन दिनों तक दिन में एक बार लिया जाता है। ये दवा फेफड़ों में लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे इसका असर तेज प्रभावी होता है। 14 साल की मेहनत के बाद मनुष्य के प्रयोग में आने वाली यह नई एंटीबायोटिक दवा–प्रतिरोधी संक्रमणों के इलाज में क्रांति ला सकती है। निश्चित तौर पर आज स्वास्थ्य की तकनीकी दिशा में भी भारत नए आयाम को हासिल कर रहा है। कई दुर्लभ सर्जरी भारत के अस्पतालों में की जा रही है जबकि सरकार का जन–जन तक स्वास्थ्य पहुंचने का अभियान देश के नागरिकों को लाभान्वित कर रहा है। देश में बनी दवाइयां सस्ती होने के साथ–साथ असरदायक भी हैं लेकिन यह भी जरूरी है कि महंगे इलाज और महंगी दवाइयां की उपलब्धता भी आम व्यक्ति तक कम दरों में कराई जानी चाहिए। इस नई एंटीबायोटिक का असर जल्द देखने को मिलेगा। वे सभी वैज्ञानिक जिन्होंने लंबे अथक प्रयास के बाद इस बड़ी खोज को इजाद किया है उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा।

भारतीय संविधान में कलात्मकता

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग–अलग पृष्ठों पर अलग–अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था।

गजेंद्र सिंह शेखावत

हमारा भारत देश संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत का एक जीता जागता अनुभव है। इसके इतिहास को सरल शब्दों में व्यक्त करना अत्यंत कठिन है। इससे भी अधिक कठिन है पांच हजार से अधिक वर्षों की सभ्यता के इतिहास को एक दस्तावेज़ के रूप में व्यक्त करना, जो देश की स्वतंत्रता के समय एक नए स्वतंत्र हुए राष्ट्र के भाग्य का मार्गदर्शन करने वाला हो। लेकिन आचार्य नंदलाल बोस केवल एक कलाकार नहीं थे और भारत के संविधान पर चित्रण उनके लिये केवल एक और कार्य नहीं था। संविधान में चित्रण के लिए उनकी दृष्टि हड़प्पा सभ्यता के समय से लेकर स्वतंत्रता प्राप्ति के समय तक भारत की यात्रा का वर्णन करती है।

यह सभी चित्रण संविधान के अंतिम पृष्ठ पर सूचीबद्ध हैं और उन्हें बारह ऐतिहासिक काल में वर्गीकृत किया गया हैः मोहनजोदड़ो काल, वैदिक काल, महाकाव्य काल, महाजनपद और नंद काल, मौर्य काल, गुप्त काल, मध्यकालीन काल, मुस्लिम काल, ब्रिटिश काल, भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, स्वतंत्रता के लिए क्रांतिकारी आंदोलन और प्राकृतिक विशेषताएँ।

संविधान की शुरुआत हमारे राष्ट्रीय प्रतीक के चित्रण से होती है। नंदलाल बोस इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट थे कि प्रतीक में शेर बिल्कुल असली शेरों की तरह दिखें, उनकी चाल और चेहरे के हाव–भाव सही हों और आयु के हिसाब से उनमें बदलाव हो। राष्ट्रीय प्रतीक के डिजाइनर दीनानाथ भार्गव, जो उस समय कला भवन में एक युवा छात्र थे, इस कलाकृति को चित्रित करने से पहले शेरों के हाव–भाव, शारीरिक भाषा और तौर–तरीकों का अध्ययन करने के लिए महीनों तक कोलकाता चिड़ियाघर गए। प्रस्तावना पृष्ठ और कई अन्य पृष्ठों को बेहर राममनोहर सिन्हा ने डिजाइन किया था। नंदलाल बोस ने बिना किसी बदलाव के प्रस्तावना हेतु सिन्हा जी की बनाई कलाकृति का समर्थन किया। इस पृष्ठ पर निचले दाएं कोने में देवनागरी में सिन्हा का संक्षिप्त हस्ताक्षर राम है।

संविधान की प्रस्तावना एक हाथ से लिखा हुआ लेख है जो आयताकार बॉर्डर से घिरा हुआ है। बॉर्डर के चार कोनों में चार पशुओं को दर्शाया गया है। दर्शाए गए चार जानवर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के आधार से लिए गए हैं। बॉर्डर की कलाकृति में कमल की आकृति प्रमुखता से दिखाई देती है। कमल की आकृति बॉर्डर कलाकृति में प्रमुखता से दिखाई देती है।

संविधान का प्रत्येक भाग एक चित्र से आरंभ होता है और अलग–अलग पृष्ठों पर अलग–अलग बॉर्डर डिज़ाइन दर्शाए गए हैं। कलाकारों के हस्ताक्षर चित्र पर और बॉर्डर के पास दिखाई देते हैं जो इस प्रोजेक्ट में सभी के सहयोग को दर्शाता है। अनेक पृष्ठों पर कई हस्ताक्षर हैं जो बंगाली, हिंदी, तमिल और अंग्रेजी में दिखाई देते हैं। भारत के संविधान के भाग 19 में विविध विषयों से संबंधित एक चित्र है जिसमें नेताजी सैन्य पोशाक में अपने सैनिकों से घिरे हुए सलामी दे रहे हैं। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्रण पर दिखाई देते हैं और ए. पेरुमल के हस्ताक्षर पृष्ठ के बाएं निचले कोने पर दिखाई देते हैं। वे कला को लोगों तक ले जाने वाले कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हुए। वे शांतिनिकेतन के गाँवों में जाते और संथाल घरों की दीवारों को जानवरों, पक्षियों और पेड़ों वाली प्रकृति की थीम से सजाते। वे शांतिनिकेतन के कला भवन में चार दशकों से अधिक समय तक नंदलाल बोस जैसे महान कलाकारों के साथ रहे और काम किया, उन्हें स्नेह से पेरुमलदा कहा जाता था।

संविधान का भाग 4, जो प्रथम अनुसूची के भाग में राज्यों से संबंधित है, वह ध्यान में बैठे भगवान महावीर की समृद्ध रंगीन चित्र से शुरू होता है, जिसमें वे अपनी आँखें बंद करके और हथेलियाँ एक दूसरे पर टिकाकर बैठे हुए हैं। भगवान महावीर के दोनों ओर एक–एक पेड़ हैं और फ्रेम में एक मोर भी दिखाई दे रहा है जो प्रकृति में सामंजस्यपूर्ण सह–अस्तित्व को दर्शाता है। यह मूल संविधान के कुछ रंगीन चित्रों में से एक है। रंगीन चित्रों में जमुना सेन और नंदलाल बोस के हस्ताक्षर हैं। इस पृष्ठ पर बॉर्डर डिज़ाइन में राजनीति नामक कलाकार के हस्ताक्षर भी हैं।

भारतीय संविधान का भाग 15 चुनावों पर केंद्रित है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्रों में भारत के दो वीर सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह को दिखाया गया है। इस पृष्ठ पर दिए गए चित्र धीरेंद्र कृष्ण देब बर्मन द्वारा बनाए गए हैं, जो त्रिपुरा राजघराने के सदस्य थे और रवींद्रनाथ टैगोर और नंदलाल बोस के साथ उनके घनिष्ठ संबंध थे। बॉर्डर डिज़ाइन पर कृपाल सिंह शेखावत के हस्ताक्षर हैं, जो भारत के एक प्रसिद्ध कलाकार और मिट्टी के बर्तन बनाने वाले थे, जिन्हें जयपुर की प्रतिष्ठित ब्लू पॉटरी की कला को पुनर्जीवित करने के लिए जाना जाता है।

शांतिनिकेतन में ललित कला संस्थान कला भवन ने भारत और दुनिया के सभी कोनों से छात्रों और कलाकारों को आकर्षित किया, इस प्रकार विभिन्न प्रभावों को समाहित करते हुए उत्कृष्टता की निरंतर खोज करते हुए एक इकोसिस्टम निर्मित किया और अंत में, एक अनूठी भारतीय शैली और कला निर्मित की। इस पर काम करने वाले कई कलाकारों ने अपने करियर में महान उंचाइयों को हासिल किया, लेकिन इस परियोजना के समय शांतिनिकेतन के छात्र और सहयोगी ही थे जो अपने श्रद्धेय 'मास्टर मोशाय' नंदलाल बोस के सपने को जीवंत करने के लिए प्रयत्नशील थे।

संविधान में चित्रों की प्रेरणा भारत के विशाल इतिहास, भौतिक परिदृश्य, पौराणिक चित्र और स्वतंत्रता संग्राम में निहित है। भारत के संविधान का भाग 13 'भारतीय क्षेत्र में व्यापार, वाणिज्य और उनके परस्पर संबंधो' से संबंधित है। इस पृष्ठ पर दिया गया चित्रण महाबिलापुरम में स्मारकों के समूह का हिस्सा है जो यूनेस्को द्वारा अंकित विश्व धरोहर स्थल है। 'गंगा का अवतरण' एक बड़ी, खुली हवा में बनी चट्टान की नक्काशी वाली मूर्ति है जो स्वर्ग से धरती पर गंगा नदी के उतरने के कथा को पत्थर में दर्शाती है। नंदलाल बोस के हस्ताक्षर चित्र पर दिखाई देते हैं और जमुना सेन का नाम बॉर्डर के बाएं निचले कोने पर दिखाई देता है।

भाग 3 जो मौलिक अधिकारों से संबंधित है, उसमें रामायण का एक दृश्य दिखाया गया है। इस पृष्ठ के बॉर्डर पर जमुना सेन के हस्ताक्षर हैं। भाग 4 जो राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों से संबंधित है, उसमें महाभारत का एक दृश्य दिखाया गया है। बानी पटेल और नंदलाल बोस के नाम दाईं ओर नीचे दिए गए चित्रण पर दिखाई देते हैं और विनायक शिवराम मसोजी का नाम बॉर्डर के बाएं कोने पर दिखाई देता है।

संविधान का भाग 7 'पहली अनुसूची के भाग बी में शामिल राज्यों' से संबंधित है। इस खंड की शुरुआत में दिए गए चित्रण में सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म के प्रसार को दर्शाया गया है। उन्हें हाथी पर सवार दिखाया गया है, जो सभी तरह के साज–सज्जा से सुसज्जित है और बौद्ध भिक्षुओं से घिरा हुआ है। यह चित्रण अजंता की शैली में है, जिसमें भिक्षुओं को शरीर के ऊपरी हिस्से को बिना वस्त्रों और आभूषणों के साथ दिखाया गया है। यह चित्रण नंदलाल बोस द्वारा किया गया था, जिनका काम अजंता भित्तिचित्रों में पाई जाने वाली कलात्मक परंपराओं से बहुत प्रभावित था। चित्रण के निचले बाएँ भाग पर ए. पेरुमल का नाम भी दिखाई देता है। बॉर्डर डिज़ाइन में ब्योहर राममनोहर सिन्हा के हस्ताक्षर हैं, जिन्होंने प्रस्तावना और कई अन्य पृष्ठों को भी डिज़ाइन किया था। यहाँ उन्होंने हिंदी में राममनोहर के रूप में हस्ताक्षर किए हैं। यह संविधान के उन कुछ पन्नों में से एक है, जिस पर नंदलाल बोस और उनके सबसे वरिष्ठ छात्र ब्योहर राममनोहर सिन्हा दोनों के नाम हैं।

भारत का संविधान इस मायने में अनूठा है कि यह मूल रूप से एक हस्तलिखित दस्तावेज़ था। इसे अंग्रेजी में प्रेम बिहारी रायज़ादा और हिंदी में वसंत के. वैद्य ने सुलेखित किया था। रायज़ादा ने प्रवाहपूर्ण इटैलिक शैली का इस्तेमाल किया और सुलेख की कला अपने दादा से सीखी। संविधान हॉल (जिसे अब कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के नाम से जाना जाता है) के एक कमरे में काम करते हुए, उन्होंने छह महीने के दौरान दस्तावेज़ तैयार किया। उन्होंने इसे लिखते समय सैकड़ों पेन निब का इस्तेमाल किया। भारत के संविधान के अंग्रेजी संस्करण के सुलेखक प्रेम बिहारी नारायण रायज़ादा (प्रेम) के हस्ताक्षर दस्तावेज़ के हर पृष्ठ पर दिखाई देते हैं। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना को शुरू करने के लिए उन्होंने यही एकमात्र अनुरोध किया था।

भारत का संविधान एक मौलिक कला ग्रंथ है जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। भारतीय संविधान में कलात्मकता भारत के बहुस्तरीय इतिहास को दर्शाती है और सामाजिक सांस्कृतिक, पौराणिक, क्षेत्रीय, आध्यात्मिक, भौतिक परिदृश्य तथा अन्य कारकों के प्रति श्रद्धांजलि है जो भारत को एक अद्वितीय और जीवंत अनुभव बनाते हैं।

यह एक ऐसे राष्ट्र की वास्तविकता को दर्शाता है जो अपने प्राचीन अतीत को स्वीकार करता है, विविधता में एकता का उत्सव मनाता है और भविष्य की ओर देखता है।

अमेरिका का भविष्य सवालों में घिरा

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

ऐतिहासिक राजनीतिक वापसी के बाद आत्मविश्वास से भरे डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका फर्स्ट योजना को साकार करने को संकल्पित हैं। ट्रंप ने जिन सहयोगियों को अपनी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है, उससे भविष्य के अमेरिका की बदली हुई और नई छवि उभर कर आने के संकेत मिल रहे हैं।

हालांकि आशाओं और आकांक्षाओं से भरपूर ट्रंप की कैबिनेट को लेकर आशंकाएं भी कम नहीं हैं। ट्रंप आर्थिक सहयोग पर आधारित रणनीतिक भागीदारियों को अमेरिकन जनता के पैसों का दुरुपयोग समझते हैं, और इन्हें गैर–जरूरी बताते हैं। ट्रंप ने नाटो में अमेरिकी भागीदारी पर पुनर्विचार करने और कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को कम करने का सुझाव दिया है।

ट्रंप ने माको रूबियो को विदेश मंत्री बनाया है। रूबियो ने अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण के साथ ही वैश्विक मंच पर अमेरिका का सम्मान पुनः हासिल करने का वादा किया है। वे चीन, ईरान और क्यूबा सहित अमेरिकी भू–राजनीतिक दुश्मनों के संबंध में सशक्त विदेश नीति की वकालत करते हैं। भारत के लिए उनके विचार बेहद सकारात्मक हैं, जो अमेरिकी विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए भारत को जापान, इस्त्रइल, दक्षिण कोरिया और नाटो के समकक्ष रखने की बात कहते हैं। रूबियो पाकिस्तान की आतंकवाद को बढ़ावा देने की कोशिश के चलते उसे दी जाने वाली सुरक्षा सहायता रोकने के हिमायती हैं। रूबियो इस्त्रइल को मदद बढ़ा कर ईरान को सबक सिखाने के हिमायती हैं। इसका असर मध्यपूर्व में देखने को मिल सकता है।

ट्रंप ने अरकंसास के पूर्व गवर्नर माइक हकबी को इस्त्रइल में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया है। हकाबी इस्त्रइल के कट्टर समर्थक हैं, और कब्जे वाले पश्चिमी तट पर इस्त्रइली बस्तियों के रक्षक हैं, जिन्हें अधिकांशतः अंतरराष्ट्रीय समुदाय द्वारा अवैध माना जाता है। इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और बेहरीन जैसे अमेरिका के रणनीतिक सहयोगी ईरान पर इस्त्रइल के हमलों की आलोचना कर चुके हैं। यूएई ने इस्लामिक ऑर्गेनाइजेशन के सम्मेलन में कहा था कि ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापक दृष्टिकोण रखने की जरूरत है, प्रतिक्रियावादी और टुकड़े–टुकड़े वाली नीति से काम नहीं चलेगा। इन स्थितियों में नये विदेश मंत्री और अमेरिकी राजदूत माइक हकबी के सामने मध्यपूर्व में अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए संतुलन बनाने की बड़ी चुनौती होगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पद के लिए ट्रंप ने माइक वाल्ट्ज पर भरोसा जताया है। वाल्ट्ज ने नेशनल गार्ड में कर्नल के रूप में भी काम किया है, उन्होंने एशिया प्रशांत क्षेत्र में चीनी गतिविधियों की आलोचना की है, और इस क्षेत्र में संभावित संघर्ष के लिए अमेरिका को तैयार रहने की आवश्यकता पर जोर दिया है। अमेरिका की वैदेशिक नीति के प्रतिनिधित्व में चीन का विरोध दिखाई पड़ रहा है। मतलब साफ है चीन और अमेरिका के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी तो दोनों देशों के बीच तनाव भी बढ़ेगा। चीन हांगकांग पर प्रतिक्रिया को लेकर रूबियो से पहले ही चिढ़ा हुआ है, और उन पर कई प्रतिबंध लगा चुका है।

ट्रंप ने लाखों अप्रवासियों को लक्षित करते हुए अब तक का सबसे व्यापक निर्वासन प्रयास शुरू करने की कसम खाई है। अप्रवासन को रोकने के लिए वे किसी भी हद तक जाने की बात कह चुके हैं। लिहाजा, उन्होंने यह जिम्मा क्रिस्टी नोएम को सौंपा है। ट्रंप ने नोएम को अगले गृह सुरक्षा सचिव के रूप में चुना है, वे होमलैंड सुरक्षा विभाग, सीमा सुरक्षा और आव्रजन से लेकर आपदा प्रतिक्रिया और अमेरिकी सीक्रेट सर्विस तक हर चीज के लिए जिम्मेदार हैं। होमन देश की सीमाओं के भी प्रभारी होंगे। होमन अवैध आप्रवासियों को वापस भेजने को लेकर दृढ़ हैं। अप्रवासन को लेकर अमेरिका की कड़ी नीतियों से उसके संबंध लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया और भारत से खराब हो सकते हैं। इसका असर अमेरिकी अर्थव्यवस्था और रणनीतिक भागीदारियों पर भी पड़ सकता है। सीआईए प्रमुख के रूप में पूर्व अमेरिकी जासूस जॉन रैटिक्लफ ट्रंप की पसंद हैं। वे ट्रंप के वफादार समर्थक रहे हैं, और उन्हें खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनके काम के लिए जाना जाता है। रैटिक्लफ ने खुफिया मामलों पर ट्रंप के शीर्ष सलाहकार के रूप में काम किया है, और ट्रंप के एजेंडे को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। रैटिक्लफ ने अमेरिकी चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप के प्रयासों को उजागर किया है तथा वे ईरान, चीन और रूस के मुखर आलोचक माने जाते हैं। अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ती दूरियां, रूस–यूक्रेन युद्ध और मध्यपूर्व में अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमलों की आशंकाओं के बीच रैटिक्लफ अमेरिकी खुफिया परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मां से योद्धा बनीं नयनतारा

साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा अपने 40 साल जन्मदिन पर उनकी जीवन पर बनी डॉयक्यूमेंट्री नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरीटेल रिलीज किया गया. वहीं, एक्ट्रेस के खास दिन पर ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक नई फिल्म का एलान कर फैंस को खुश कर दिया है.

ड्रमस्टिक्स प्रोडक्शंस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर नयनतारा के फैंस को तोहफा देते हुए उनकी नई फिल्म के टाइटल टीजर का एलान किया है. उन्होंने फिल्म से नयनतारा का धांसू पोस्टर जारी करते हुए टाइटल का खुलासा किया है और कैप्शन में टीजर का लिंक साझा करते हुए लिखा है, युद्ध शुरू हो गया है. लेडी सुपरस्टार नयनतारा की रक्कई का धमाकेदार टाइटल टीजर पेश है. उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं.

पोस्टर में नयनतारा अपने दोनों हाथों में हथियार लिए नजर आ रही हैं. उनके चेहरे पर एग्रेशन साफ नजर आ रहा है. वहीं रक्कई के टीजर की बात करें सेंथिल नल्लासामी की निर्देशित फिल्म के टीजर में नयनतारा को एक ऐसी मां के अवतार में दिखाया गया है, जो अपने बच्चे की सुरक्षा के लिए योद्धा बन जाती है.

रक्कई के टीजर की शुरुआत बच्चे के रोने की आवाज से शुरू होती है. इसके बाद एक खुले मैदान की झलक दिखाई जाती है, जहां एक झोपड़ी, जिसमें से बच्चे के रोने की आवाज आती है, के बाहर मशाल लिए दुश्मन की सेना नजर आती है. इस दौरान बच्चे की झलक दिखाई जाती है, जो भूखा रहता है. इसके बाद नयनतारा की झलक दिखाई गई है. वह अपने दुश्मनों से लडऩे और अपने बच्चे को शांत कराने की तैयारी करती हैं. वह ओखली में लाल मिर्च का पाउडर तैयार करती नजर आती है. इसके बाद वह बच्चे को दूध पिलाकर उसे झूले में सुला देती है. इस बीच दुश्मन की सेना उन पर वार करने के लिए उनकी झोपड़ी को ओर दौड़ पड़ते हैं. बच्चे को सुलाने के बाद नयनतारा हाथ में हथियार लेकर दुश्मनों से जंग करने मैदान में उतरती हैं. वह दुश्मनों को लहूलुहान करते हुई नजर आती हैं.

एडिलेड टेस्ट : प्लेयर ऑफ द मैच ट्रेविस हेड ने कहा— फिर से रन बनाकर अच्छा लगा

एडिलेड, ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड को भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट मैच में 140 रन की मैच जिताऊ पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। हेड ने कहा कि अपने घरेलू मैदान पर फिर से रन बनाना उनके लिए खुशी की बात थी। हेड ने अपनी तेजतर्रार बल्लेबाजी और आक्रामक शॉट्स से 141 गेंदों पर आठवां टेस्ट शतक जड़ा, जिसमें 17 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने ऑस्ट्रेलिया को 152 रन की बढ़त दिलाई, जो टीम की दस विकेट से जीत में अहम साबित हुई। हेड ने कहा, रन बनाकर अच्छा लगा। पिछले हफ्ते भी मैं अच्छी फॉर्म में था और लगा कि मैं लय में हूं। हमारी टीम का ड्रेसिंग रूम

बहुत अच्छा है, सभी एकजुट हैं, भले ही बाहर से कुछ और कहा जाए। हमें पता था कि अगर हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे, तो जीत की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा, पारी के दौरान मैंने सही मौके पहचाने और अपना खेल खेला। कल रात का सेशन भी शानदार था। कप्तान पैट कमिंस मुझे पूरा भरोसा देते हैं कि मैं अपनी मर्जी से खेलूं। दूसरे नए गेंद के खिलाफ तेजी से रन बनाने का यह अच्छा मौका था। मौसम काफी गर्म था और मुझे लगा कि नई गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अलावा, तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने एडिलेड टेस्ट में 8 विकेट लिए, जिसमें मैच की पहली ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल का विकेट भी शामिल था। पहली पारी में 6 विकेट लेने वाले स्टार्क ने कहा कि पर्थ में मिली 295 रन की हार को वहीं छोडक़र एडिलेड में नए सिरे से खेलने का निर्णय सही साबित हुआ।

स्टार्क ने कहा, यह हमारे लिए अच्छा हफ्ता रहा। हमने पहले टेस्ट के बाद सुधार किया और यह जीत सकारात्मक रही। बाहर काफी बातें हो रही थीं, लेकिन हमने पर्थ को वहीं छोड़ दिया। एडिलेड में अपने शानदार रिकॉर्ड के बारे में पूछे जाने पर स्टार्क ने कहा, इसका कोई खास कारण नहीं है।

वनवास की रिलीज से पहले जारी हुआ गाना बंधन, दिखी उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की खूबसूरत लव स्टोरी

वनवास एक आगामी इमोशनल ड्रामा फिल्म है। भारतीय पुराण रामायण के एक मॉडर्न ट्विस्ट के साथ वे कहानी को सामने रखने वाले हैं। फिल्म का गाना रिलीज हो गया है। गाने का नाम है बंधन। गाना रिलीज किया गया है। गाने को सोशल मीडिया पर पसंद किया जा रहा है।

गाने में उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर की लव स्टोरी को दिखाया गया है। वहीं, इस गाने में नाना पाटेकर और सुमन शर्मा की लव स्टोरी को भी दिखाया गया है। गाने को रिलीज कर सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, दिलों के रिश्ते और आपसी लगाव से जुड़ा गाना सामने आ गया है।

बंधन गाने को विशाल मिश्रा, पलक

मुच्छल और मिथुन ने गाया है। गाने को मिथुन ने कंपोज किया है। इस गाने के बोल सईद कादरी ने लिखा है। दिल को छू लेने वाला यह गाना लोगों के बीच गहरे और अटूट संबंधों का प्रतीक है। गाने की धुन प्रशंसकों ने पसंद की है, सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने इस गाने की बहुत तारीफ भी की है।वनवास फिल्म को अनिल शर्मा ने निर्देशित किया है। अनिल शर्मा द्वारा लिखित, निर्मित और निर्देशित वनवास 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, खुशबू सुंदर और राजपाल यादव के साथ नाना पाटेकर को भी फिल्म में देखा जाने वाला है। अनिल शर्मा ने गदरः एक प्रेम कथा (2001), द हीरोः लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई (2003), अपने (2007), और गदर 2 (2023) जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं।

प्रियंका चोपड़ा हिंदी सिनेमा में वापसी को तैयार

बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपने अभिनय का परचम लहराने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी को लेकर चर्चा में हैं।उन्हें आखिरी बार हिंदी फिल्म द स्काई इज पिंक में देखा गया था, जिसमें वह फरहान अख्तर के साथ नजर आईं। यह फिल्म 2019 में रिलीज हुई थी और प्रियंका पिछले 5 साल से हिंदी सिनेमा से दूर हैं।अब प्रियंका ने हिंदी फिल्म करने के संकेत दिए हैं। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। प्रियंका ने कहा, मैं कई निर्माताओं से मिलती हूं और कहानी पढ़ती हूं। हिंदी फिल्मों में मैं अलग तरह का रोल तलाश रही हूं। यह साल मेरे लिए वाकई बहुत व्यस्त रहा, लेकिन मेरे पास कुछ है।

मौकों को नहीं भुना पाने का खामियाजा भुगतना पड़ा, हार के बाद रोहित शर्मा ने किया स्वीकार

एडिलेड, भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की पर्थ टेस्ट में गैरमौजूदगी के बाद वापसी अच्छी नहीं रही। एडिलेड ओवल में खेले गए डे–नाइट टेस्ट में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हरा दिया।

रोहित ने इस मैच में छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में तीन और दूसरी में छह रन बनाए। उनके नेतृत्व और गेंदबाजी में बदलावों पर सवाल उठे। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि भारत ने कई मौके गंवाए, जो हार का कारण बने। मैच के बाद रोहित ने कहा, हमारे लिए यह हफ्ता निराशाजनक रहा। हमने उतना अच्छा नहीं खेला जितना जीत के लिए जरूरी था। ऑस्ट्रेलिया ने हमसे बेहतर प्रदर्शन किया। खेल के दौरान कई ऐसे मौके आए जिन्हें हम भुना नहीं सके और यही हार की वजह बनी। उन्होंने आगे कहा, पर्थ में जो हमने किया

था वह खास था। यहां भी हम वही दोहराना चाहते थे, लेकिन हर टेस्ट मैच अलग चुनौती लाता है। हमें पता था कि गुलाबी गेंद के साथ यह मैच मुश्किल होगा। लेकिन जैसा मैंने कहा, ऑस्ट्रेलिया बेहतर खेली। पांच मैचों की सीरीज अब 1–1 की बराबरी पर है। रोहित ने कहा कि टीम 14 दिसंबर से शुरू हो रहे गाबा टेस्ट के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अगले मैच से पहले ज्यादा समय नहीं है। हमें पर्थ में किए गए अच्छे प्रदर्शन और पिछली बार गाबा में किए गए प्रदर्शन को याद रखना होगा। वहां की अच्छी यादें हैं। हर टेस्ट मैच की चुनौती को समझते हुए हमें अच्छी शुरुआत करनी होगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने तीसरे दिन सुबह के सत्र में 5 विकेट लेते हुए टीम को शानदार जीत दिलाई। उन्होंने कहा, यह हमारे लिए बेहतरीन हफ्ता रहा। पर्थ टेस्ट के बाद हम जानते थे कि हम बेहतर कर सकते हैं। इस मैच में हमने अपनी लय वापस पाई।

एक नजर

पूर्व सैनिकों की समस्याओं का किया निराकरण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः असम राइफल्स पूर्व सैनिक संगठन की ओर से आयोजित बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। इस दौरान समाज सेवा में योगदान देने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

पदमपुर स्थित एक बारात घर में संगठन की छमाई बैठक आयोजित की गई। संगठन के अध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में हुई बैठक में 14 महिलाओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं को आगे बढ़कर समाज सेवा में अपना योगदान देना चाहिए। आज मातृशक्ति कांधे से कांधे मिलाकर देश की सेवा में अपना योगदान दे रही हैं। कहा कि असम राइफल को पूर्ण रूप से रक्षा मंत्रालय में तब्दील करने के लिए दायर याचिका पर पांच फरवरी को दिल्ली हाईकोर्ट में अंतिम फैसला होना है। बैठक में ग्रीवांस संबंधी विसंगतियों को भी दूर किया गया। इस मौके पर संगठन के अध्यक्ष एमएस बिष्ट, शोभन सिंह नेगी, चंद्र मोहन रावत, मनवर सिंह, मेहरवान सिंह, विजय कुकरेती आदि मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः डीएवी इंटर कालेज में उमेश डोभाल स्मृति ट्रस्ट द्वारा चित्रकार धरणीधर चंदोला, चित्रकार बीमोहन नेगी व राजेंद्र रावत राजू की स्मृति में धरणीधर चंदोला चित्रकला प्रतियोगिता, बीमोहन नेगी रेखांकन प्रतियोगिता, राजेन्द्र रावत राजू स्मृति निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। ट्रस्ट के जनरल सेक्रेट्री नरेश नौडियाल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में नगर के विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया। विशेष आमंत्रित पायल ठाकुर द्वारा बच्चों को आर्ट थैरेपी भी कराई गई। चित्रकला प्रतियोगिता ललित बिजलवान, आशीष नेगी, रेखांकन प्रतियोगिता त्रिलोक नेगी व वीरेंद्र जदली, निबंध प्रतियोगिता मनोहर चमोली सुनील कुमार के संयोजन में आयोजित हुई। इस दौरान प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस मौके पर निर्णायक मंडल में आशीष नेगी, त्रिलोक नेगी, हरेंद्र, आशीष मोहन नेगी, वीरेंद्र जदली, रवि रावत, मदन मोहन, जसपाल रावत, रैमासी रावत, रश्मि रावत, आरती बहुगुणा, सोहन सिंह आदि मौजूद रहे

पौड़ी महोत्सव दस से

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः व्यापार सभा पौड़ी की पहल पर 10 दिसंबर से तीन दिवसीय पौड़ी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की अंतिम शाम गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी के नाम रहेगी। आयोजकों द्वारा महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। व्यापार सभा पौड़ी के अध्यक्ष विनय शर्मा ने बताया कि 10 से 12 दिसंबर तक तीन दिवसीय पौड़ी महोत्सव का आयोजन रामलीला मैदान में किया जाएगा। महोत्सव के पहले दिन स्थानीय बच्चों और महिलाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। दूसरे दिन भजन कीर्तन मंडली द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां रहेंगी। इसके अलावा सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में उत्तराखंड की लोक गायिका प्रियंका महर की प्रस्तुति होगी। जबकि महोत्सव की अंतिम शाम उत्तराखंड के गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी के नाम रहेगी। उन्होंने बताया कि इसी दिन टेलेंट हंट शो का भी आयोजन किया जाएगा। बताया कि महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक राजकुमार पौरी शिरकत करेंगे। महोत्सव को लेकर व्यापार सभा ने तैयारियां तेज कर दी है

बाईपास निर्माण की मांग को लेकर सीएम को सौंपा ज्ञापन

रुद्रप्रयाग। बदरीनाथ हाईवे के सिरोबगड़ में वर्षों से भूस्खलन हो रहा है और इस गंभीर समस्या के निराकरण के लिए पपड़ासू–खांखरा बाईपास निर्माण किया जा रहा है, जो बीते 6 सालों से अधर में लटका पड़ा हुआ है। बाईपास निर्माण को लेकर तीन पुल बनाए जाने हैं, जिनमें एक पुल का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत हो चुका है, जबकि दो पुलों का बेस तैयार हो चुका है। तीन से चार किमी इस बाईपास निर्माण का कार्य लगभग 60 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। सीएम को सौंपे ज्ञापन में प्रधान पपड़ासू विमल चौहान ने कहा कि पपड़ासू–खांखरा बाईपास निर्माण का कार्य पिछले छः सालों से अधर में लटका पड़ा है। पपड़ासू में पुल का निर्माण कार्य 90 प्रतिशत तक हो चुका है, जबकि अन्य दो पुलों का बेस भी तैयार हो चुका है। निर्माण कार्य बंद होने से लोहा जंक खा रहा है तो बाईपास निर्माण को लेकर बनाई सड़क में घास उग गई है। सरकार के करोड़ों का बजट जंक खाने को मजबूर है। यदि बाईपास निर्माण पूरा किया जाता है तो सिरोबगड़ लैंड स्लाइड एरिया से निजात मिलने के साथ ही नये बाईपास में रोजगार की संभावनाएं बढ़ सकती है।

सनातन की मजबूती के लिए एकजुट होने की आवश्यकता: बालकृष्ण

सिद्धबली बाबा के वार्षिक अनुष्ठान के समापन कार्यक्रम में बोले आचार्य बाल कृष्ण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः तीन दिवसीय सिद्धबली बाबा के वार्षिक अनुष्ठान के समापन कार्यक्रम में आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि सनातन की रक्षा के लिए हमें एकजुट होना होगा। हमारा धर्म ही हमारी असली पहचान है। कहा कि श्री सिद्धबली बाबा की शक्ति सभी भक्तों पर बनी हुई है और जबजब भक्तगण कष्ट में होते हैं तो सबसे पहले भगवान हनुमान को याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि कोटद्वार में साक्षात सिद्धबली का आर्शीवाद है और उन्हीं की शक्ति से बाबा का अनुष्ठान सफलतापूर्वक निर्वहन हो रहा है। कहा कि सनातन को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी है क्योंकि आज का समय बेहद जटिल है और सनातन को कमजोर करने के प्रयास भी किये जा रहे हैं। रविवार को श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के अंतिम दिन की भजन संध्या कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य बालकृष्ण, लैंसडौन विधायक दिलीप रावत, विश्वपाल जयंत, गोसवा आयोग के

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि

अध्यक्ष राजेंद्र अण्थ्वाल, सिद्धाबली मंदिर समिति के अध्यक्ष डा.जेपी ध्यानी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि वर्तमान समय में व्यक्ति इतना व्यस्त हो चुका है कि वह अपने शरीर के प्रति भी सजग नहीं है। नतीजा, शरीर कई बीमारियों का घर बनता जा रहा है। ऐसे में हमें अपने जीवन में योग को अपनाना चाहिए। कहा कि हमें विदेशी सामान के बजाय स्वदेश में निर्मित सामान का उपयोग करना चाहिए। मंदिर के महंत व लैंसडौन विधायक दलीप सिंह रावत ने कहा कि बाबा सिद्धाबली के प्रति भक्तों की इतनी बड़ी आस्था है कि यहां दस वर्ष के लिए भंडारा भी पूरा बुक हो चुका है। यह भूमि देवों व तपस्वियों की भूमि है। सच्चे मन से बाबा के दर पर आने वाले भक्त के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। इस मौके पर मेला संयोजक सुमन कोटनाला, मेला समिति के अध्यक्ष अनित चांवला, जीत सिंह पटवाल, विवेक अग्रवाल आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद रावत ने किया।

बाबा सिद्धबली तुझको करू प्रणाम....

भजन गायक मनोज मिश्रा व प्रमोद त्रिपाठी के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः श्री सिद्धाबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान महोत्सव के तीसरे दिन भजन गायक मनोज मिश्रा व प्रमोद त्रिपाठी की मधुर आवार ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान मनमोहक झांकियां भी निकाली गई। पंडाल में मौजूद भक्त भजनों पर झूमते हुए नजर आए।

रविवार को भजन संध्या का शुभारंभ भजन गायक मनोज मिश्रा व प्रमोद त्रिपाठी ने हनुमान व राम की स्तुति से की। इसके मनोज मिश्रा ने 'एक बार हाथ तो उठा लो मेरे हनुमान के लिए..' 'मंगल भवन अमंगल हारी...ह्न, 'इसे कहते हैं बजरंगबाला...ह्न, 'संकट घेरा है...ह्न, 'हर–हर महादेव...ह्न, प्रमोद त्रिपाठी ने 'सिद्धबली तुझको करू प्रणाम..ह्न 'किजे कैसरी के लाल..ह्न,'आरंभ है प्रंचण है...ह्न, 'तेरी जै हो भारत माता..', 'सिंदूरी बदन जिनका..', 'नैना जो मिले है सरकार से..', 'श्री राम जानकी बैठे हैं मेरे सीने मे..', सहित अन्य गीतों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर निर्देशक राजेंद्र सिंह नेगी आदि मौजूद रहे। वहीं, भजन संध्या से पूर्व मंच पर हिमालयन आर्ट एंड कल्चरल के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। शिवतांडव क प्रस्तुति को दर्शकों ने सबसे अधिक सराहा। कलाकारों ने राम-लला की मनमोहक झांकी भी प्रस्तुत की। साथ ही वृज में यशोदा के घर कन्हैया के दर्शक को पहुंचे शिव के नाटक की भी प्रस्तुति दी गई। कलाकारों ने हनुमान जी व भगवान राम के भजनों पर नृत्य प्रस्तुत किए। इस मौके पर रजनी, मधु, ज्योती आदि मौजूद रहे।

महोत्सव के दौरान भजनों की प्रस्तुति देते गायक

जगदंबा कीर्तन मंडली रही प्रथम

मेले के दौरान क्रास कंट्री दौड़ के अव्वल बच्चों को सम्मानित करते विधायक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः श्री सिद्धाबली वार्षिक अनुष्ठान के प्रथम दिन शोभा यात्रा के दौरान हुई कीर्तन मंडलियों की प्रतियोगिता में शिवपुर की जगदंबा कीर्तन मंडली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस दौरान बेहतर समाज सेवा के लिए मंदिर समिति ने तीन व्यक्तियों को भी सम्मानित किया।

श्री सिद्धाबली वार्षिक अनुष्ठान के प्रथम दिन क्षेत्र की कीर्तन मंडलियों के लिए भी साज सज्जा व भजन गायन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। क्षेत्र की बीस से अधिक कीर्तन मंडलियों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। कीर्तन मंडलियां झांकी के साथ अपनी संस्कृतिक परिधान में नजर आ रही थी। ऐसे में इस प्रतियोगिता का रविवार को परिणाम घोषित किया गया। जिसमें जगदंबा कीर्तन मंडली शिवपुर प्रथम, ओम सांस्कृतिक समिति मवाकोट द्वितीय, राम कीर्तन मंडल व शिव शक्ति कीर्तन मंडली लालपानी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेले के अंतिम दिन कीर्तन मंडलियों को इनामी राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं, समाज सेवा में अपना योगदान देने वाले कोटद्वार निवासी दिलबाग सिंह, उत्तर प्रदेश मेरठ निवासी योगेश सिंह गुप्ता व चिकित्सक के क्षेत्र में योगदान देने के लिए विजय मैठानी को लैंसडौन विधायक व मंदिर के महंत दलीप सिंह रावत ने सम्मानित किया गया। इस दौरान शुभारंभ के दिन हुई क्रास कंट्री दौड़ में अव्वल रहने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया।

जलते अंगारों पर नाचे सिद्धबाबा, सवा मन रोट का लगा भोग

जागरों के प्रभाव में आकर नाचते श्रद्धालु

बाबा के लिए रोट का प्रसाद काटते महंत दिलीप रावत व अन्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भक्तों की आस्था के प्रतीक श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में चल रहे तीन दिवसीय श्री सिद्धबली बाबा वार्षिक अनुष्ठान के समापन पर एकादश कुंडीय यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ ही सिद्धबाबा के जागर लगाए गए। जागरों के दौरान कई पुरुष और महिलाएं देवता के प्रभाव में आकर नाचने लगे। सिद्धबाबा के जागर संपन्न होने के बाद सवा मन रोट का भोग लगाया गया और बाद में प्रसाद के रूप में वितरित किया गया। तीन दिवसीय मेले के अंतिम दिन रविवार को ब्रह्ममुहूर्त में श्री सिद्धबाबा के महाभिषेक के बाद आचार्य पं. देवी प्रसाद भट्ट के सानिध्य में रुद्रपाठ हुआ। तत्पश्चात उन्हीं के संयोजकत्व में पिछले तीन दिन से चल रहे एकादश कुंडीय यज्ञ का भी पूर्णाहुति के साथ समापन किया गया। यज्ञ समापन के उपरांत श्री सिद्धबाबा के जागर शुरू हुए। अलेठी-पलेठी धौला उडयारी जाग, मोड़ाखाल जाग, मलोठी भाबर मा जाग, सिद्धबली मंदिर मा सिद्धबाबा जाग, माता विमला मोहरी को जाग, राजा कुंवरपाल को जाग. जैसे जागरों के धुन के बीच कई महिलाएं व पुरुष देवी–देवताओं के प्रभाव में आकर नाचने लगे। जागर मुख्य जागरी सर्वेंद्र कुकरेती व उनके साथी ने लगाए, जिन्हें सुनने को बड़ी संख्या में श्रद्धालु सिद्धबली मंदिर में पहुंचे थे। जागर के दौरान सिद्धबाबा के प्रभाव में आए भक्त अपनी पीठ पर लोहे के सांकल से प्रहार कर दहकते हुए अंगारों पर नृत्य करते नजर आये। इस दौरान आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अनय नेगी का उत्तराखंड की टीम में हुए चयन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः युवा अनय नेगी का चयन अंडर–16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी के लिए उत्तराखंड की टीम में हुआ है। अनय नेगी इससे पहले भी उत्तराखंड की अंडर–14 टीम के लिए खेल चुका है। भाबर के झंडीचौड़ पश्चिम निवासी पूर्व रणजी क्रिकेटर नरेंद्र नेगी वर्तमान में सोनीपत (हरियाणा) में खेल निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। नरेंद्र नेगी का पुत्र अनय नेगी सोनीपत में ही रहकर क्रिकेट की कोचिंग ले रहा है, जबकि अनय के बड़े भाई अभय नेगी उत्तराखंड की रणजी ट्रॉफी टीम के सदस्य हैं। नरेंद्र नेगी ने पुत्र अनय का अंडर–16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में चयन के लिए उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन और पौड़ी क्रिकेट एसोसिएशन का आभार जताते हुए अनय से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की। निवर्तमान पार्षद अमित नेगी, समाजसेवी मोहन सिंह रावत, योग प्रशिक्षिका रजनी अग्रवाल, प्रदीप कंडवाल, डॉ. कैलाश चंद्र, गढ़वाल राइफल्स के कोच अरुण नेगी, बृजमोहन रावत आदि ने खुशी जताई।

संगठन की मजबूती का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः कांग्रेस के पौड़ी जिला प्रभारी जोत सिंह गुनसोला ने रविवार को पौड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक ली। इस दौरान निकाय व पंचायत चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कहा कि अभी से कार्यकर्ता इन चुनावों की तैयारियों में जुट जाएं। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं के सुझाव भी लिए। कहा कि पार्टी को मजबूती के साथ निकाय चुनावों में जीत दिलाने के लिए एकजुट होकर काम किया जाएगा। रविवार को जिला पंचायत के पुराने सभागार में कांग्रेस के जिला प्रभारी जोत सिंह गुनसोला ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली। कहा कि प्रदेश कार्यकारिणी के निर्देश पर निकाय व पंचायत चुनाव में फतह हासिल करने को लेकर हर जिले में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की जा रही है। बताया कि इन बैठकों के माध्यम से प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा के साथ ही पार्टी को मजबूत करने का काम किया जा रहा है। साथ ही कार्यकर्ताओं के सुझाव भी लिए जा रहे हैं। इन सुझावों को पार्टी हाईकमान तक पहुंचाया जाएगा। कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में पंचायत व निकाय चुनाव को लेकर उत्साह बना हुआ है। पार्टी पूरी मजबूती के साथ स्थानीय निकाय चुनावों में मैदान में उतरेगी। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, महिला जिलाध्यक्ष नीलम रावत, नगराध्यक्ष भरत सिंह, सेवादल अध्यक्ष सुनील लिंगवाल, उपेंद्र, मोहित सिंह, आशीष नेगी, कुलदीप रावत, सरिता नेगी, यशोदा नेगी आदि शामिल रहे।

नलकूप खराब, पानी को तरसे वार्डवासी

कोटद्वार के गाड़ीघाट क्षेत्र में पेयजल टैंकर से पानी भरने के लिए उमड़े लोग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत लकड़ीपड़ाव क्षेत्र में नलकूप खराब होने से पेयजल किल्लत बनी हुई है। ऐसे में वार्डवासियों को पानी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी जल संस्थान लापरवाह बना हुआ है।

नलकूप खराब होने से क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से पेयजल किल्लत बनी हुई है। जल संस्थान की ओर से भेजे जा रहे पेयजल टैंक से भी परिवारों के लिए पर्याप्त पानी नहीं हो पा रहा है। वार्डवासी शहजाद, मुन्नी देवी, सलीम ने बताया कि पिछले एक माह में नलकूप की मोटर दूसरी बार खराब हो चुकी है। पेयजल किल्लत के कारण परिवारों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। सैकड़ों परिवारों के लिए मोहल्ले में केवल एक समय ही टैंक भेजा जा रहा है। कपड़े व नहाने के पानी के लिए परिवार खोह नदी से पानी लेकर आ रहे हैं। बताया कि नलकूप में लगी मोटर पुरानी हो चुकी है। नतीजा वह हर बार धोखा दे रही है। मोटर को बदलने के लिए वार्डवासी कई बार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के समक्ष गुहार लगा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। बताया कि जल संस्थान के अधिकारियों ने उन्हें जल्द ही समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया है। यदि इसके बाद भी जल्द घरों में पेयजल आपूर्ति नहीं हुई तो वार्डवासी आंदोलन को मजबूर होंगे।

काली माता व भरत मंदिर में मूर्ति स्थापना पर भंडारे का आयोजन

नई टिहरी। चम्बा के ग्राम नैचोली में दक्षिण काली माता और भरत मंदिर का जीणोद्धार कर मूर्ति स्थापना रविवार को की गई। इस मौके पर मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पूजा–अर्चना की। मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में भंडारे का भी आयोजन किया गया। घर–गांव से जुड़े रहने व पलायन को हतोत्साहित करने के लिए सरकारी सेवा से निवृत बीरेंद्र दत्त विजल्वाण व सुरेंद्र दत्त विजल्वाण ने मंदिरों का जीणोद्धार कर यह पहल की है। मौके पर मनोज विजल्वाण, नीरज विजल्वाण, कमलेश्वर प्रसाद उनियाल, शोभा राम बहुगुणा, संजय सकलानी, आशा राम उनियाल, सुंदर लाल नौटियाल, दिनेश प्रसाद उनियाल, विजयराम, मस्तराम, बिपिन बिहारी, मूर्ति राम, सुंदरलाल, परमानंद, दीपक उनियाल आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 150 लोगों का हुआ उपचार

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में स्वैच्छिक संगठन मेडिकल सर्विस सेंटर (एमएससी) के सहयोग से मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 150 लोगों का उपचार किया गया। जबकि विभिन्न जनपदों में शिविर के माध्यम से करीब 700 लोगों का उपचार किया जा चुका है। तल्लानागपुर क्षेत्र के राउमावि क्वींली कुरझण में स्वास्थ्य जांच और चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ सर्जन डॉ. अनूप मैती के नेतृत्व में कोलकाता और दिल्ली से डॉ. सेफाली रॉय डॉ. तरुण मंडल, उन्नति चटर्जी, दीपक जाना, डॉ. फारोज़न, डॉ. ध्रुव चौहान समेत नौ सदस्यीय चिकित्सा टीम ने लगभग 150 मरीजों का उपचार कर दवाइयां वितरित की। इस अवसर पर डॉ. सेफाली ने स्वास्थ्य जागरूकता पर व्याख्यान भी दिया। उच्च रक्तचाप, दृष्टि की धुंधलापन, यूआरटीआई, आरटीआई, पेल्विक इंफ्लेमेटरी रोग, एंजाइना पेक्टोरिस, कृमि संक्रमण, जोड़ों का दर्द समेत कई बीमारियां के मरीज पहुंचे। उत्तराखंड में शिविर प्रभारी डा. मुकेश सेमवाल ने बताया कि क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ावा देने और लोगों को स्वास्थ्य जागरूकता के बारे में जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि दिसम्बर माह में टिहरी जनपद के देवप्रयाग, पौड़ी के श्रीनगर, रुद्रप्रयाग के क्वींली कुरझण और चमोली के शिरगढ़ में आयोजित शिविर में लगभग 700 रोगियों का इलाज निशुल्क दवाओं के वितरण के साथ–साथ रक्त शर्करा और ईसीजी जांच की गई।

मलेथा से रानीहाट के बीच 4 किमी की मुख्य टनल आर–पार

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तराखंड में 125 किमी लंबी ब्रॉड गेज ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना एक कदम और आगे बढ़ गई है। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना के तहत मलेथा में नवयुगा कंपनी ने शनिवार देर रात्रि मलेथा से रानीहाट के बीच मुख्य टनल आर–पार (ब्रेक थ्रू) कर दी है। इस उपलब्धि पर कार्यदायी कंपनी नवयुगा और आरवीएनएल के अधिकारी–कर्मचारियों व मजदूरों ने खुशी जताते हुए मिठाई बांटी। इससे पहले जुलाई माह में स्कैप टनल आर–पार हो गयी है। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग ब्रॉड गेज रेल लाइन परियोजना के तहत मलेथा से रानीहाट तक पैकेज में कार्य कर रही कार्यदायी नवयुगा कंपनी ने परियोजना के पैकेज–5 में शामिल मलेथा से रानीहाट की 4.06 किमी लंबी मैन टनल संख्या–टी 10 का ब्रेक थ्रू (आर–पार) करने में सफलता प्राप्त की। आरवीएनएल पैकेज–5 के परियोजना प्रबंधक राजेश अरोडा ने बताया कि इस सुरंग के निर्माण में 900 से अधिक कर्मचारी लगे हुए थे। रेल मंत्रालय, रेल विकास निगम और विशेषज्ञों के दिशा–निर्देशों पर परियोजना की सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है।

आरवीएनएल मुख्य परियोजना प्रबंधक अजीत कुमार यादव ने बताया कि मुख्य टनल का निर्माण कार्य अप्रैल माह तक पूरे होने की संभावना है।

नशे के खिलाफ व्यापारियों ने रैली निकाली

श्रीनगर गढ़वाल। नगर क्षेत्र में युवाओं में बढ़ते नशे के विरुद्ध समस्त व्यापार मंडल और स्थानीय लोगों द्वारा रविवार को गोला पार्क में जनजागरुकता रैली निकाली गयी। रैली में उपस्थित लोगों ने शपथ लेते हुए युवाओं से नशे को त्यागने की अपील की। इस दौरान स्कूली छात्रों ने "नशीले पदार्थों को ना कहें जीवन को हाँ कहें, जीवन एक उपहार है इसे नशीले पदार्थों पर बर्बाद न करें.. सहित अन्य स्लोगनों से आमजन को संदेश दिया। गोला पार्क में उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी, व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीनगर दिनेश असवाल, व्यापार सभा अध्यक्ष डांग सौरभ पांडेय और व्यापार सभा अध्यक्ष श्रीकोट नरेश नौटियाल ने कहा कि श्रीनगर शहर शिक्षा का केन्द्र होने से यहां अधिक संख्या में अनेक राज्यों के बच्चे पढ़ने आते हैं। साथ ही गढ़वाल क्षेत्र के अधिकांश जिलों का युवा श्रीनगर में नौकरी और पढाई कर रहा है, लेकिन सबसे बड़ी दुःखद स्थिति आज सबके सामने आ चुकी है कि स्कूली बच्चों से लेकर कालेज पढ़ने वाले छात्र और उम्रदराज युवा मादक पदार्थों का सेवन कर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। कई युवा तो नशे के इतने आदि हो चुके हैं कि वह आज पुलिस की गिरफ्त में हैं। कहा कि हमारा बच्चा किस संगत में है क्या कर रहा है, कहां जा रहा है इन सभी विषयों पर अभिभावकों को नजर रखना जरूरी हो गया है।

रैली को संबोधित करते हुए पूर्व सैनिक संगठन के दिनेश पटवाल ने कहा कि युवाओं में बढ़ते नशे के ट्रेंज पर सभी लोगों को आगे आकर लड़ाई लड़ने की जरुरत है। हमारे बच्चे खोखले होते जा रहे हैं जिसे रोकना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मौके पर गणेश भट्ट, पंकज सती, राजेन्द्र बडथ्वाल, स्थानीय जनता मौजूद रही।

गोपेश्वर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

चमोली। प्रदेश में लचर स्वास्थ्य–सेवा और शिक्षा व्यवस्था का आरोप लगाते हुए रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री डाक्टर धन सिंह रावत के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मुकेश नेगी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी के नेता प्रदेश में लचर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं पर स्वास्थ्य मंत्री वार्ता तक नही कर रहे हैं। सरकार के इस नकारात्मक रवैये के खिलाफ जिला मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन कर स्वास्थ्य मंत्री के पुतले का दहन किया गया।

विधिक मोबाइल वैन को जिला जज ने दिखाई हरी झंडी

नई टिहरी। जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में सुलभ न्याय के प्रचार–प्रसार के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की मोबाइल वैन को जिला जज योगेश कुमार गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

वाहन के माध्यम से ग्रामीणों को उनके अधिकार और विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। शनिवार को जिला न्यायालय से वैन को रवाना किया गया। प्राधिकरण के सचिव आलोक राम त्रिपाठी ने बताया कि वैन के माध्यम से जिले के दूर–दराज के इलाकों, विद्यालयों और बहुल आबादी वाले क्षेत्रों में आम व्यक्ति के लिए सुलभ न्याय का प्रचार–प्रसार करने में सुविधा मिलेगी। वैन मुनिकीरेती, नरेंद्रनगर बाजार व ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, आगराखाल, जीआईसी फकोट, खाड़ी, नागणी, जिला न्यायालय परिसर नई टिहरी, जिला मुख्यालय के विभिन्न शिक्षण संस्थान, जसपुर, कोटी–कॉलोनी, भागीरथी पुरम, बागी, गजा, बादशाहीथौल, रानीचौरी, नकोट, चंबा, कांडीखाल, कमांद, कंडीसौड़ में आमजन को जागरूक करेगी।

एक नजर

सामुदायिक सहभागिता पर प्रशिक्षण संपन्न

चमोली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गौचर में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत थराली, देवाल, नारायणबगड़, दशोली, जोशीमठ और कर्णप्रयाग के विद्यालय प्रबंधन एवं विकास समिति के सदस्यों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन पर संस्थान के प्राचार्य आकाश सारस्वत ने कहा कि विद्यालय के उद्देश्य सुनिश्चित कर विद्यालय के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। शिक्षा में चार मूलभूत अनिवार्य तत्व हैं बालक, पालक, शिक्षक और शासक। मौके पर प्रशिक्षण के मुख्य संदर्भदाता गोपाल कपरुवान, नरेंद्र रावत, राजेंद्र मैखुरी, सुमन भट्ट, मृणाल जोशी, दिगंबर नेगी, त्रिलोक नेगी, राहुल डिमरी, मनोज कुमार, भगवती बेंजवाल, लक्ष्मण सिंह, रजनी नेगी, देवराम घुनियाल, देव सिंह, सुरेंद्र सिंह, ललिता, विमला रावत सहित 43 सन्दर्भदाता उपस्थित रहे '

भूमि पूजन के साथ मोरी महाविद्यालय भवन का निर्माण कार्य शुरू

उत्तरकाशी। राजकीय महाविद्यालय मोरी में भवन का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। रविवार को पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने भूमि पूजन कर भवन निर्माण कार्य शुरू करवाया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ बनाने के लिए धामी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। जल्द ही मोरी महाविद्यालय का भवन तैयार हो जायेगा। रविवार को पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल राजकीय महाविद्यालय परिसर मोरी पहुंचे। जहां उन्होंने 5 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले विद्यालय भवन का भूमि पूजन किया और निर्माण कार्य शुरू करवाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि गत 18 नवम्बर 2021 को मोरी महाविद्यालय की स्थापना की गई थी। लेकिन भवन न होने के कारण छात्रों को राइंका के तीन कक्षों में ही पठन-पाठन करना पड़ रहा है। बताया कि महाविद्यालय में वर्तमान समय में 150 छात्र- छात्राएं अध्यनरत हैं। रविवार को भवन निर्माण का कार्य शुरू करवा दिया है। भवन का निर्माण का कार्य अवस्थापना खंड सिचाई विभाग उत्तरकाशी को दिया गया है। जिसके लिए पहली किस्त विभाग को जारी कर दी गई है। इस मौके पर अधिशासी अभियंता पुरषोत्तम सिंचाई विभाग (अवस्थापना खण्ड) उत्तरकाशी , महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर राम कृष्ण वर्मा, अभिभावक शिक्षक संघ के अध्यक्ष जयचंद्र सिंह रावत, ईश्वन सिंह पंवार, सुरेन्द्र सिंह, सुखदेव सिंह, जयराम सिंह चौहान,मखन सिंह, शांति रावत,संजय सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

तिलोथ पावर हाउस में चोरी मामले में महिला आरोपी गिरफ्तार

उत्तरकाशी। यहां तिलोथ विद्युत गृह परिसर में हुई चोरी प्रकरण में पुलिस ने एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। बीते पांच दिसंबर को तिलोथ कॉलोनी निवासी विष्णु पाण्डे ने कोतवाली उत्तरकाशी पर तिलोथ विद्युत गृह के परिसर से कंपनी के स्टोर से अज्ञात द्वारा करीब 2 लाख रुपये कीमत का सामान चोरी करने के संबंध में लिखित तहरीर दी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उत्तरकाशी अमरजीत सिंह ने टीम गठित कर घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज चेक कर साक्ष्य एकत्र किए। बीते दिवस इंद्रावती घाट पार्किंग जोशियाड़ा से पुलिस टीम ने 30 वर्षीय सोनी पत्नी अनिल कुमार निवासी सोपापुर थाना दौराला जिला मेरठ उत्तरप्रदेश, हॉल निवासी ज्ञानसू उत्तरकाशी को गिरफ्तार किया।

चोरी और लूट की योजना बना रहे चार गिरफ्तार

विकासनगर। सहसपुर पुलिस ने क्षेत्र में लूट और चोरी की योजना बना रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पिस्टल और चाकू बरामद किए गए हैं। सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी ने बताया कि शनिवार रात पुलिस टीम नियमित चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सभावाला में उन्हें दो मोटर साइकिल सवार मिले, जो पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा कर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह अपने पास तमंचा, कारतूस और खुखरी, चाकू लेकर सुमित और मोनू की मोटरसाइकिलों पर यहां आए थे। उनका इरादा यहां बैंक एटीएम या ज्वेलरी की दुकानों में चोरी करना था। बताया कि आरोपियों की पहचान सुमित गौतम पुत्र विक्रम, विकास पुत्र शिव कुमार, रमेश पुत्र लखमीचंद निवासीगण चांदपुर सहारनपुर और मोनू कुमार पुत्र पॉपी निवासी आलमबीर मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है।

बहादराबाद में हाथियों ने खेतों में मचाया उत्पात

हरिद्वार। बहादराबाद क्षेत्र में जंगली हाथियों का रिहायशी क्षेत्रों और खेतों में आकर उत्पात मचाने का सिलसिला थम नहीं रहा है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जंगली हाथी आए दिन आकर खेतों में खड़ी फसलों को तहस-नहस कर रहे हैं। वन प्रभाग के हाथियों और अन्य जंगली जानवरों को रिहायशी क्षेत्रों में आने से रोकने के सभी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं। हरिद्वार वन प्रभाग क्षेत्र के गांव बहादराबाद, आत्मालपुर बोंगला, रोहलकी किशनपुर, खेड़ली, दादूपुर गोविंदपुर आदि क्षेत्रों में जंगली हाथी अक्सर जंगलों से निकलकर खेतों में आ धमकते हैं और खेतों में खड़ी फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। बहादराबाद की मुख्य सड़कों पर लगातार पिछले एक सप्ताह गजराज प्रतिदिन दिखाई पड़ रहे है। क्षेत्रवासी हर समय दहशत के साए में जीने को मजबूर है, किंतु वन महकमा कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। गजराज धनौरी रोड पर बाजार भ्रमण करते दिखाई दिए उस समय सभी दुकानदार और राह चलने वाले लोग दहशत में रहे। गजराज चहल कदमी करते हुए गणपति बैंक्वेट हाल के पीछे की कॉलोनी से होते हुए खेतों की ओर चले गए। किसानों ने इसकी सूचना वन प्रभाग की टीम को दी, किंतु कोई भी वन कर्मी दिखाई नहीं दिया, जिससे किसानों में रोष व्याप्त है। क्षेत्र के किसानों ने बताया कि रविवार को हाथियों द्वारा किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाने की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई है। अगर शीघ्र ही कोई कार्यवाही नहीं की गई तो किसान सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। किसानों का कहना है कि पिछले लगभग एक सप्ताह से आए दिन हाथी खेतों में फसलें उजाड़ रहे हैं। जिससे किसानों में हाथियों की दहशत बनी हुई है। हरिद्वार वन प्रभाग के रेंजर शैलेंद्र सिंह नेगी का कहना है कि हाथियों को रोकने के प्रयास किए जा रहे है। टीम लगातार गश्त कर रही है, ग्रामीणों से लगातार संवाद जारी है। विशालकाय जानवर होने की वजह से उन्हें जंगल की ओर कन्वर्ट करने में दिक्कत आ रही है। जल्द हालत पर काबू पा लिया जाएगा।

पासपोर्ट भेजने के नाम पर डेढ़ लाख से अधिक की ठगी

विकासनगर। पासपोर्ट भेजने के नाम पर एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने डेढ़ लाख से अधिक ठग लिए। कोर्ट के आदेश के बाद सहसपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र में बरोटीवाला निवासी नवीन गुरुंग पुत्र मोहन सिंह गुरुंग ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने पासपोर्ट बनाने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। बात करने वाले ने कहा, कि आपका पासपोर्ट स्पीड पोस्ट से भेजना है। इसके बाद कहा कि जो लिंक भेज रहे हैं उस पर पांच रुपये भेजो। पांच रुपये भेजने के बाद फोन करने वाले व्यक्ति ने उनसे एटीएम के अंतिम चार नंबर मांगे, जो उन्होंने गलती से दे दिए। इसके बाद उनके खाते से एक ही दिन में अलग-अलग समय पर एक लाख 66 हजार रुपये निकाल लिए गए। उधर, शहर कोतवाल राजेश साह ने बताया कि साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्ति की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

कालसी में कांग्रेसियों ने मंत्री धन सिंह के खिलाफ प्रदर्शन किया

विकासनगर। जौनसार बावर में स्वास्थ्य और शिक्षा की लचर व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कांग्रेसियों ने कालसी मुख्य बाजार में रविवार को सरकार और स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के खिलाफ प्रदर्शन किया।

कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार जानबूझकर जौनसार बावर क्षेत्र की उपेक्षा कर रही है। प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उमादत्त जोशी ने कहा कि जौनसार बावर के अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सकों की तैनाती नहीं की गई है। संसाधनों की भी कमी बनी हुई है। कहा कि किसी भी अस्पताल में सर्जन की तैनाती नहीं है। अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी मरीजों को नहीं मिल रही है। मामूली बीमारी होने पर भी लोगों को विकासनगर, उत्तरकाशी या हिमाचल प्रदेश के अस्पतालों में जाना पड़ता है। अल्ट्रासाउंड की सुविधा नहीं होने पर गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी होती है। अस्पतालों में महिला रोग विशेषज्ञ भी नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जौनसार बावर परगने के अस्पताल खुद वेंटिलेटर पर चल रहे हैं। यही हाल क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था का भी है। पूरे क्षेत्र के 40 प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय बिजली विहीन हैं। ऐसे में इन विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लास रूम की सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। कहा कि 23 स्कूलों में पेयजल व्यवस्था भी नहीं है। सरकार एक ओर सरकारी शिक्षण संस्थानों को हाईटेक सुविधा मुहैया कराने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जौनसार बावर के विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव बना हुआ है। कांग्रेसियों ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के खिलाफ हल्द्वानी में गुस्सा

हल्द्वानी। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन मंच ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर बढ़ते अत्याचार और मानवाधिकार हनन की घटनाओं पर चिंता जताते हुए रविवार को रामपुर रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में एकत्र होकर विरोध जताया। इस दौरान बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर बढ़ते हमलों की निंदा की गई। भारत सरकार से इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने की मांग की गई। इस दौरान कहा कि भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाए, ताकि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद और अन्य अंतराष्ट्रीय निकायों से अपील की गई कि बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों की निष्पक्ष और विस्तृत जांच के लिए एक स्वतंत्र आयोग गठित किया जाए। इस दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्रुति गोलवलकर, जिला प्रवक्ता राजेश जोशी, विवेक कश्यप, अध्यक्ष वरिष्ठ जन कल्याण भुवन भास्कर, पूर्व सैनिक मेज़र बीएस रौतेला, पूर्व अर्धसैनिक बल दरबान सिंह बोरा, क्षेत्रीय संरक्षक भारत विकास परिषद भगवान सहाय, पंजाब जन कल्याण समिति के प्रदीप कक्कड़, समाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र सिंह बिष्ट, प्रताप बिष्ट, चंदन बिष्ट, सशक्त एकता उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश महामंत्री भुवन भट्ट, चंदन बिष्ट, प्रदीप लोहनी, उमेश साह, डॉ. नवीन शर्मा आदि मौजूद रहे।

भारत रक्षा मंच जन आक्रोश रैली निकालेगा

भारत रक्षा मंच ने रविवार को बैठक कर प्रदेश संगठन मंत्री आशीष वाजपेयी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस पर प्रदेशभर में जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए एकजुट होने पर बल दिया।

रेडक्रॉस सोसायटी की बैठक 21 को

चमोली। भारतीय रेडक्रास समिति की चमोली शाखा की आम बैठक 21 को जिला मुख्यालय में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न होगी।

वार्षिक आम सभा की बैठक में चमोली जिला शाखा के सभी आजीवन सदस्य प्रतिभाग करेंगे। बैठक में जिला शाखा की नई प्रबंधकारिणी समिति का गठन भी किया जाएगा। जिला शाखा के सचिव डीएस बिष्ट ने बताया कि इस समय जिला शाखा के एक हजार से अधिक सदस्य हैं। उन्होंने सभी सदस्यों से अनुरोध किया किया कि समिति के प्रेसिडेंट जिला अधिकारी की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में समिति के सभी सदस्यों को भाग लेना है। उन्होंने सदस्यों से अनुरोध किया है कि समय निकाल कर सभी सदस्य बैठक में सम्मिलित होकर रेडक्रास आंदोलन को आगे बढ़ाने में मदद करें।

नई टिहरी में कांग्रेसियों का शिक्षा मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन

नई टिहरी। बदहाल चिकित्सा और शिक्षा व्यवस्था को लेकर जिला मुख्यालय नई टिहरी के सांई चौक पर कांग्रेसियों ने प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री का पुतला फूंककर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने कहा की जिले के अस्पताल मात्र रेफर सेंटर बनकर रह गये हैं। रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राणा व शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में काग्रेसियों ने सूबे के स्वास्थ्य व चिकित्सा मंत्री का पुतला फूंकते हुए कहा कि पूरे प्रदेश सहित टिहरी में स्वास्थ्य व चिकित्सा व्यवस्था चौपट हो गई है। जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी अस्तपाल मात्र रेफर सेंटर बन गये हैं। जबकि जनपद में शिक्षा व्यवस्था भी भगवान भरोसे है। कांग्रेसियों ने कहा कि जनपद के अस्पतालों में गायनोकालजिस्ट, आथीपैडिक सहित तमाम विशेषज्ञ डाक्टरों का अभाव बना है। एक्सरे व अल्ट्रासाउंड के लिए लोगों को ऋषिकेश व देहरादून की दौड़ लगानी पड़ रही है। पूरे प्रदेश सहित जनपद के सभी चिकित्सालय में दवा और मशीनरी की खरीद-फरोख्त और नियुक्तियों में अनियमितता हो रही है। कहा कि चिकित्सा व शिक्षा मंत्री के आवास पर धरना दे रहे प्रदेश कांग्रस अध्यक्ष करन माहरा व विधायक प्रीतम सिंह को बेवजह गिरफ्तार किया गया। इस मौके पर जिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप सिंह पंवार, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष आशा रावत, अनीता शाह, शांति प्रसाद भट्ट, विजय गुनसोला, सैयद मुशर्रफ अली, देवेंद्र नौडियाल, ज्योति भट्ट, निहाल सिंह, गब्बर सिंह, किशन लाल आदि मौजूद रहे।

स्काउट-गाइड के तृतीय सोपान का हुआ समापन

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के राजकीय इंटर कालेज मरोड़ा में भारत स्काउट एंड गाइड का तृतीय सोपान का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। इस दौरान स्काउट और गाइड के कर्तव्य बताते हुए राष्ट्र हित में अनवरत कार्य करने की बात कही गई। रविवार को बीईओ जौनपुर राम औतार सिंह, विशिष्ट अतिथि ब्लाक सचिव मदन मोहन सेमवाल, जिला प्रशिक्षण आयुक्त अनीता उनियाल, डीसीबी प्रबंधक शशिकांत गुसाईं, प्रधानाचार्य संतोष कुमार सहगल ने शिविर का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने अतिथियों का शाल ओढ़कर सम्मान किया। बीईओ ने कहा स्काउट व गाइड में कोई भेदभाव नहीं रखते हैं। यह त्याग व समर्पण तथा मानव सेवा की सीख देते हैं। जिससे हम मानव सेवा कर सकें। प्रधानाचार्य सहगल और वृक्ष मित्र सोनी ने कहा कि स्काउट गाइड को गांव के क्षेत्रों में एक संचार सेवा कहा जाता है। कहा वर्तमान समय में बच्चे अपनी परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। लेकिन ऐसे कार्यों से हमें सीखना चाहिए। ब्लॉक सचिव सेमवाल ने कहा उनका प्रयास है कि हर विद्यालय में भारत स्काउट एंड गाइड इकाई को खोला जाए ताकि बच्चों में सेवाभाव आ सके। इस मौके पर कैप्टन नवीन कुमार भारती, अतुल रमोला, हिमानी रमोला, माधुरी शर्मा, राजेंद्र रावत, शशि डंयूडी, अंजना गैरोला, तेजी महर, हीरा पंवार, वीरचंद, हेमा रावत, अनिता कुंवर, योगेश नारायण उनियाल, राममोहन सकलानी, मीरा डोगरा, नीलम देवी मौजूद थे।

नगर निकाय चुनाव को तैयारी शुरू

चमोली। नगर निकायों के आगामी चुनाव के लिये दलों, सम्भावित उम्मीदवारों ने जहां अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं वहीं निर्वाचन विभाग ने भी नये मतदाताओं के लिये मतदाता सूची में नाम दाखिल करने और पूर्व में मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम में कोई गलती है उनमें सुधार के लिये अभियान शुरू किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी और जिलाधिकारी डाक्टर संदीप तिवारी ने बताया 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले युवा 8-9-10 दिसम्बर तक नाम दर्ज करा सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और मतदाता सूची में नाम परिवर्तन, नाम दर्ज कराने के लिए कर्मियों को आदेश जारी करते हुए कहा 8-9-10 दिसम्बर को नगर निकायों और निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध रहेंगे। मतदान केंद्रों पर भी यह प्रपत्र उपलब्ध रहेंगे।

राज्य आंदोलन की तर्ज पर लड़ेंगे भू-कानून की लडाईः नेगी

चमोली। मूल निवास भू-कानून समन्वय संघर्ष समिति के गढ़वाल संयोजक अरुण नेगी ने कहा कि मूल निवास और भू-कानून लागू किए जाने की मांग को लेकर ब्लाक स्तरों पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। आगामी 30 दिसम्बर को कीर्तिनगर में होने वाली बैठक में जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग सम्मलित होंगे। रविवार को निजी होटल में पत्रकारों से बात करते हुए मूल निवास संघर्ष समिति के गढ़वाल संयोजक अरुण नेगी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य आंदोलन की तर्ज पर अब राज्य में मूल निवास और भू-कानून की लड़ाई लड़ी जायेगी। कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में जमीन की खरीद-फरोख्त रोकने के लिए सशक्त भू-कानून और मूल निवास को लागू किया जाना अनिवार्य है। कहा कि राज्य सरकार ने मूल निवास व्यवस्था समाप्त कर यहां के लोगों की अपनी पहचान खत्म करने का काम किया है। उत्तराखंड राज्य बनने के 24 साल बाद भी आज राज्य के मूल निवासियों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। नेगी ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि मूल निवास और भू-कानून को लेकर सरकार कोई ठोस कदम नहीं ले पा रही है। कहा कि उत्तराखंड के मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित रहें इसलिए प्रदेश में सशक्त भू कानून और मूल निवास 1950 लागू किए जाने की आवश्यकता है। प्रधान संगठन के निर्वतमान अध्यक्ष सुनय कुकशाल ने समर्थन देते हुए कहा कि अपने अधिकारों और हक की लड़ाई के लिए सभी जनप्रतिनिधि एक मंच पर आकर भू-कानून और मूल निवास की लड़ाई लडेंगे। मौके पर रमलाल नौटियाल, चंद्रमोहन सिंह चौहान, मुकेश बर्तवाल, रामेश्वर प्रसाद लखेडा, मुकेश भट्ट सहित आदि मौजूद थे।

भू कानून के मामलों में तत्परता से कार्रवाई करें एसडीएम-शर्मा

उत्तरकाशी। राजस्व एवं जिला कार्यालय से संबद्ध विभिन्न विभागों की बैठक लेते एडीएम देवानंद शर्मा ने लंबित वादों का त्वरित निस्तारण करने के साथ ही राजस्व वृद्धि के लिए कारगर प्रयास करने की बात कही। वहीं भू-कानून के उल्लंघन के मामलों में उप जिलाधिकारियों को तत्परता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शनिवार को राजस्व विभाग के कार्मिकों की बैठक लेते एडीएम देवानंद शर्मा ने राजस्व वादों,वसूली, लंबित प्रकरणों के निस्तारण सहित अन्य विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के द्वारा वृद्ध माता-पिता व सास-ससुर की देखभाल न करने के मामलों में भी वाद दर्ज कर जरूरतमंद बुजुर्गों की सहायता करने के विशेष निर्देश दिए गए हैं, जिनका पूरा अनुपालन किया जाय। उन्होंने इस मौके पर राजस्व वसूली की समीक्षा की। जिसमे अधिकारियों ने बताया कि जिले में आबकारी के निर्धारित लक्ष्य 55 करोड़ के सापेक्ष 47.86 करोड़ रू का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

219 ग्राम अवैध चरस के साथ एक गिरफ्तार

उत्तरकाशी। पुलिस ने शनिवार को देर रात चेकिंग अभियान के दौरान 219.0 ग्राम अवैध चरस के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जनपद उत्तरकाशी में युवाओं में नशे के प्रति बढ़ती प्रवृति के कारण नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के निर्देशन व थानाध्यक्ष बड़कोट के नेतृत्व में थाना बडकोट पुलिस द्वारा स्थान तिलाडी बैण्ड पौन्टी पुल के समीप रात्रि में चैकिंग के दौरान ममलेश रावत पुत्र विजय सिंह निवासी नाल्ड थाना बडकोट के कब्जे से 219.0 ग्राम अवैध चरस बरामद की गयी। बरामद माल के आधार पर उक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया व अग्रिम आवश्यक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है ।

तिलोगा अमरदेव नाटक ने दर्शकों को किया अभिभूत

देहरादून। राजधानी दून में रविवार की शाम को मेघदूत नाट्य मंच की शानदार प्रस्तुति "तिलोगा - अमरदेव" के माध्यम से यादगार बना दिया। नगर निगम प्रेक्षागृह में मंचित तैडी की तिलोगा और भरपूर के बांके जवान अमरदेव सजवाण की प्रेम कथा का दर्शकों ने मुक्तकंठ से सराहा। प्रख्यात रंगकर्मी एस.पी. ममगाईं की परिकल्पना, शोध और निर्देशन में कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया। तिलोगा अमरदेव नाटक के मंचन की शुरुआत कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, गढ़वाल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एम. एस. रावत, टपकेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर महंत कृष्ण गिरी जी, उद्योगपति राकेश ओबेरॉय, प्रसिद्ध उद्यमी तथा माया यूनिवर्सिटी के चेयरमैन मनोहरलाल जुयाल, बलवीर सिंह पंवार, श्याम सुंदर गोयल द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। आकाशवाणी देहरादून के वरिष्ठ उदघोषक विनय ध्यानी ने नाटक की कथावस्तु का सार दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। तिलोगा और अमरदेव की यह एक हृदयस्पर्शी प्रणय गाथा है, जो स्थानीय लोगों के अतिरिक्त अन्य तक नहीं पहुंची है। लंबे शोध के बाद इस पर श्री ममगाईं ने पहले अपनी पुस्तक उत्तराखंड के ऐतिहासिक नाटक प्रकाशित की और आज इसका मंचन किया गया। नाटक मूलतः हिंदी में था किंतु आंचलिक होने के नाते कतिपय स्थानों पर कथा की मांग के अनुरूप गढ़वाली भाषा के शब्दों व गीतों के प्रयोग का यथोचित प्रयोग किया गया था। वस्तुतः यह कथानक करीब चार सौ वर्ष पुराना है और नाटक के जरिए इतिहास के पन्नों को सफलता से पलटा और परोसा गया। गौरतलब है कि प्रसिद्ध नाट्य संस्था मेघदूत का यह रजत जयंती वर्ष है और इसी संदर्भ में मेघदूत ने उत्तराखंड की इस प्रेम कथा को नाटक का विषय बनाया। इससे पूर्व मेघदूत द्वारा दो अन्य नारी प्रधान नाटकों का मंचन किया जा चुका है। उनमें ज्योतिर्मय पद्मिनी और तीलू रोतेली मुख्य हैं। अपनी स्थापना से अब तक मेघदूत ने 25 वर्षों में डेढ़ दर्जन से अधिक प्रमुख नाटकों के कई कई शो कर चुकी है। मेघदूत की पहली प्रस्तुति अष्टावक्र नाटक था। उसके बाद पौराणिक कथानक पर आधारित संजीवनी नाटक का मंचन हुआ। तदनंतर औरंगजेब की आखिरी रात, यमपाल, संगमरमर पर एक रात, श्रीकृष्ण अवतार, वीर अभिमन्यु, ऊषा अनिरुद्ध, ज्योतिर्मय पद्मिनी, तीलू रोतेली और ' भय बिनु होई ना प्रीति' के बाद गढ़वाल की धरती पर घटित अमरदेव सजवाण और तैड़ी की तिलोगा के प्रेम प्रसंग के आधारित कथानक पर यह नाटक प्रस्तुत किया जा रहा है।

बास्केटबॉल अंडर-14 प्रतियोगिता में हरिद्वार बना ओवर आल चैंपियन

हरिद्वार। बास्केटबॉल अंडर-14 प्रतियोगिता में हरिद्वार ओवर आल चैंपियन बना। बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला देहरादून हरिद्वार के बीच खेला गया जिसमें हरिद्वार की टीम ने 54-35 के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में देहरादून और हरिद्वार के बीच खेले गए मैच में हरिद्वार की टीम ने 68-57 से जीत दर्ज की छठे उत्तराखंड स्टेट सब जूनियर बास्केटबॉल राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश के सहकारिता उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सभी स्कूलों में खेल को अनिवार्य रूप से लागू किया जाएगा। उत्तराखंड में जो राष्ट्रीय खेल होने हैं सरकार द्वारा उसकी सभी तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के बास्केटबॉल के खिलाड़ी जोरदार प्रदर्शन करेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा मुख्यमंत्री धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या के प्रयासों से उत्तराखंड में खेलों को लगातार बढ़ावा मिल रहा है। उन्हीं के प्रयासों का परिणाम है कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन उत्तराखंड में हो रहा है। उत्तराखंड बास्केटबॉल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि हरिद्वार जनपद के खिलाड़ियों ने जिस प्रकार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया है वह बास्केटबॉल के बढ़ते हुए जन आधार का परिणाम है। उन्होंने हरिद्वार जनपद के सभी कोच, ट्रेनर और रेफरी को भी बधाई दी। जनपद बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित नैय्यर और सचिव संजय चौहान ने विजेता और विजेता टीम के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंन अंतिम मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ करते हुए मैच को जीता है।

वार्षिकोत्सव में प्रस्तुतियों से छात्रों ने कई संदेश दिए

विकासनगर। द्रोणा पब्लिक स्कूल लक्ष्मीपुर चौक-बरोटीवाला में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने प्रस्तुतियों से अपनी संस्कृति और विरासत को बचाने का संदेश देने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए भी जागरूक किया। समारोह का मुख्य आकर्षण महिला उत्पीड़न के सामाजिक दुष्प्रभावों को दिखाने वाली गीत नाटिका रही। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत रहे जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ नेगी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिदृश्य में छात्र-छात्राओं को कड़ी मेहनत की जरूरत है। वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का है और आने वाले समय में जब सरकारी नौकरियां लगभग खत्म हो जाएगी, तब सिर्फ प्राइवेट सेक्टर और स्वरोजगार का ही विकल्प बचेगा। ऐसे में युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट पर भी विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करना और करवाना सभी छात्र-छात्राओं का दायित्व है, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। समारोह में विद्यार्थियों ने जौनसारी, गढ़वाली, कुमाउनी, हिमाचली लोकगीतों और लोकनृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

महिला उत्पीड़न को समाज के लिए कलंक और नशे को समाज का कैंसर बताने वाली गीत नाटिकाएं आकर्षण का केंद्र रहीं। समारोह के दौरान शैक्षणिक और शिक्षणेत्तर गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान आकाश पंवार, प्रकाश भट्ट, भीम सिंह बिष्ट, सुभाष चंबेल, चतर सिंह नेगी, हृदयेश मेहता, शैलेंद्र थपलियाल, संजय राणा, अर्चना डिमरी, कुसुम आदि मौजूद रहे।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338